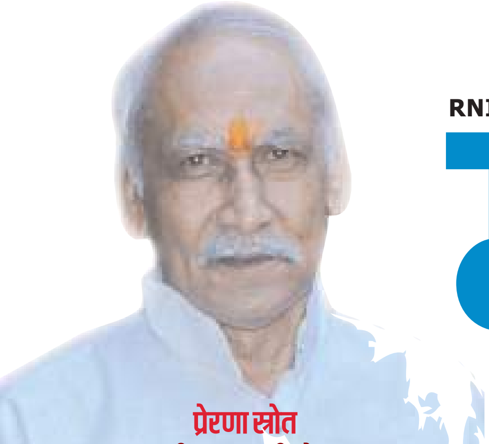
प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

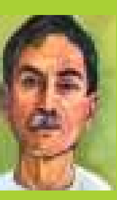

देश का उद्धार विलासियों द्वारा नहीं हो सकता उसके लिए सच्चा त्यागी होना पड़ेगा।

मुंशी प्रेमचंद

वर्ष-03, अंक - 40 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 08 जुलाई 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

म.प्र. के नए राज्यपाल होंगे श्री पटेल

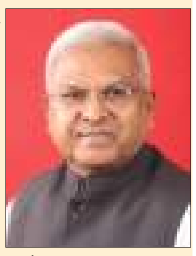

भोपाल। गुजरात के वरिष्ठ भाजपा नेता मंगूभाई छगनभाई पटेल को मध्यप्रदेश का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के पास मध्यप्रदेश के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार था। उधर, मध्यप्रदेश से राज्यसभा सदस्य और केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री थावरचंद गहलोत को कर्नाटक के राज्यपाल के तौर पर नई जिम्मेदारी दी गई है। मंगूभाई और थावरचंद के पास लंबा राजनीतिक अनुभव है। इनके पहले आनंदीबेन पटेल उत्तर प्रदेश के साथ मध्यप्रदेश के राज्यपाल पद पर थीं। मध्यप्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर मंगूभाई पटेल ने कहा कि, मैं राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभारी हूं। नरेंद्र मोदी के हम पहले से साथी थे, उन्होंने हमें जो रास्ता दिखाया उस पर हम चलते रहे और समाज सेवा करते रहे है और आगे भी करते रहेंगे।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री के हटने के बाद अब म.प्र. के मंत्री चौधरी पर भी गिर सकती है गाज

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के लोकप्रिय नेता हर्षवर्धन को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के पद से हटा दिया है। बताया जा रहा है कि, कोरोना की दूसरी लहर के दौरान खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें हटाया गया। इसके बाद मध्यप्रदेश में डॉक्टर प्रभुराम चौधरी पर इस्तीफे का दबाव बढ़ जाएगा।

कोरोना की दूसरी लहर के दौरान प्रदेश में त्राहि-त्राहि के हालात थे। हर दिन संक्रमण और संक्रमित नागरिकों की मृत्यु का आंकड़ा बढ़ता जा रहा था। हालात की गंभीरता बताने के लिए श्मशान घाट और विश्राम घाटों के फोटो जारी किए जा रहे थे। लोग स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग कर रहे थे, परंतु स्वास्थ्य मंत्री कंट्रोल रूम में नहीं थे।

सारे कयासों पर विरामः मोदी मंत्री मंडल का हुआ विस्तार, 12 ने दिए इस्तीफे, 43 मंत्री ने ली शपथ

ज्योतिरादित्य सिंधिया भी हुए मोदी की केबिनेट में शामिल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कैबिनेट विस्तार से पहले 12 मंत्रियों ने इस्तीफा दिया, इसमें दिग्गज मंत्री रविशंकर प्रसाद और प्रकाश जावड़ेकर भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने यह इस्तीफे स्वीकार कर लिए हैं।

रविशंकर प्रसाद, क़ानून मंत्री, प्रकाश जावड़ेकर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, थावरचंद गहलोत सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, डॉ हर्षवर्धन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, संतोष गंगवार केंद्रीय श्रम मंत्रालय, रमेश पोखरियाल निशंक केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय, रतनलाल कटारिया, संजय धोत्रे राज्य मंत्री केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय, देबोश्री चौधरी राज्य मंत्री महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय, बाबुल सुप्रियो राज्य मंत्री पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, सदानन्द गौड़ा केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, प्रताप सारंगी राज्य मंत्री मत्स्य पालन पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय ने इस्तीफे दिए।

7 हुए प्रमोटेड, 28 राज्य मंत्री, 15 केबिनेट मंत्री ने ली शपथ

एल मुरुगन, पंकज चौधरी, अनुप्रिया सिंह पटेल, सत्यपाल सिंह बघेल, राजीव चंद्रशेखर, नीतीश प्रमाणिक, भानुप्रताप सिंह वर्मा, दर्शना विक्रम जारदोश, मीनाक्षी लेखी, अन्नपूर्णा देवी, ए नारायणस्वामी, कौशल किशोर, अजय भट्ट, बीएल वर्मा, भगवत कृष्णकाव कराद, राजकुमार रंजन सिंह, भारती प्रवीण पवार, कपिल मोरेश्वर पाटिल, प्रतिमा भौमिक, शोभा करंदलाजे, महेंद्रभाई मुंजापारा, अजय कुमार, देव सिंह चौहान, भगवंत खुबा, विश्वेश्वर टुडू, शांतनु ठाकुर, सुभाष सरकार, जॉन बर्ला ने राज्य मंत्री पद की शपथ ली।

वहीं नारायण तनु राणे, सर्बानंद सोनोवाल, डॉ. वीरेंद्र कुमार, ज्योतिरादित्य सिंधिया, रामचंद्र प्रसाद सिंह, किरण रिजिजू, राजकुमार सिंह, हरदीप सिंह पुरी, मनसुख मांडविया, भूपेंद्र यादव, पशुपति पारस, जी किशन रेड्डी, पुरुषोत्तम रूपाला, अनुराग सिंह ठाकुर, अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट मंत्री की शपथ ली।

उक्त मंत्री मंडल को लेकर कई दिनो से अपने-अपने कयास लगाए जा रहे थे, जो बुधवार को सारे कयासो पर विराम होकर, केन्द्रीय मंत्री मंडल का विस्तार किया गया।

बता दे कि, मोदी ने अपने मंत्री मंडल के विस्तार के पुर्व, प्रधानमंत्री आवास पर अपने केबिनेट मंत्री व शपथ लेने वाले मंत्रियों की बैठक लेकर विस्तार से चर्चा होने के बाद मोदी के साथ सभी शपथ समारोह में पहुचे जहां शाम 6 बजे से राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सभी नए 43 मंत्रियों को शपथ दिलाई।

यूसुफ से दिलीप कुमार तक का सफर थमा

मुम्बई, एजेंसी। ट्रेजेडी किंग व दिलीप कुमार के नाम से मशहूर यूसुफने बुधवार को मुंबई के एक अस्पताल में आखिरी सांस ली। उनके जाने की खबर से देशभर में शोक की लहर छा गई। बॉलीवुड सितारों से लेकर राजनेता, सभी ट्रेजेडी किंग के निधन पर दुःख जताया। बुधवार शाम पांच बजे जूहू कब्रिस्तान में दिलीप कुमार का अंतिम संस्कार किया गया। उक्त कब्रिस्तान में मोहम्मद रफी, मधुबाला, मजरूह सुल्तानपुरी सहित कई बड़े सेलिब्रिटीज को सुपुर्द-ए-खाक किया जा चुका है। दिलीप कुमार का इलाज करने वाले डॉ. जलील पारकर ने मीडिया से बात करते हुए बताया, 'हमने उन्हें बचाने की हर संभव कोशिश की। हम चाहते थे कि, वो 100 वर्ष पूरे करे। दिलीप कुमार के साथ सायरा बानो भी सुबह अस्पताल में थीं, उनको सांस लेने में तकलीफ हो रही थी।

सीएम शिवराज ने किया केंद्र के फैसले का स्वागत

भोपाल। मोदी सरकार ने देश में सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने के लिए नया सहकारी मंत्रालय भी गठित किया है। इससे पहले नया मंत्रालय सहकार से समृद्धि के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए सहकारी मंत्रालय का सृजन किया गया है। वहीं प्रदेश की शिवराज सरकार ने इसे ऐतिहासिक कदम बताया है।

श्री चौहान ने कहा है कि, सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने के लिए एक अलग प्रशासनिक कानूनी और नीति ढांचा मुहैया कराए जाने के लिए इस मंत्रालय का सृजन किया गया है। सीएम शिवराज ने कहा है कि, मैं प्रधानमंत्री मोदी को हृदय से धन्यवाद देता हूँ। उन्होंने 'सहकार से समृद्धि' का मंत्र हमें दिया है। सहकारिता के क्षेत्र के विस्तार के लिए एक नया मंत्रालय उन्होंने बनाया है। 'सहकर नहीं, उद्धार' के मूलमंत्र को साकार करने में यह विभाग महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

जज पर सवाल उठाने के मामले में ममता पर 5 लाख रुपए का जुर्माना

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी को कोलकाता हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने जज पर सवाल उठाने के मामले में 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। मामले की सुनवाई कर रहे जस्टिस कौशिक चंदा ने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार पाते हुए पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। इन पैसों का इस्तेमाल कोविड-19 से पीड़ित परिवारों के सदस्यों की मदद में किया जाएगा। बता दें कि, ममता बेनर्जी ने नंदीग्राम में हार के बाद अदालत में दायर याचिका की सुनवाई के लिए जज बदलने की मांग की थी।

कोलकाता हाई कोर्ट के जज कौशिक चंदा नंदीग्राम विधानसभा सीट से भाजपा के शुभेंदु अधिकारी के निर्वाचन को चुनौती देने वाली ममता बेनर्जी की याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। न्यायमूर्ति चंदा ने अर्जी पर 24 जून को फैसला सुरक्षित रखा था कि, उनकी चुनाव याचिका पर सुनवाई से न्यायाधीश को खुद को अलग रखना चाहिए, मामला अब किसी दूसरी पीठ को सौंपने के लिए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजेश बिंदल को भेजा जाएगा। न्यायमूर्ति चंदा ने कहा था कि, वह भाजपा के विधिक प्रकोष्ठ के संयोजक कभी नहीं रहे, लेकिन पार्टी की ओर से अनेक मामलों में कोलकाता हाई कोर्ट में पेश हुए थे।

चारधाम यात्रा के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने जा रही आईआरसीटीसी

नई दिल्ली, एजेन्सी। देश भर में कोरोना वायरस के घटते मामलों को देखते हुए भारतीय रेलवे ने सितंबर में चार धाम यात्रा संचालित करने का निर्णय लिया है। यह स्पेशल ट्रेन-बद्रीनाथ, जगन्नाथ पुरी, रामेश्वरम और द्वारकाधीश सहित कई शीर्ष पर्यटन स्थलों की सैर कराएगी। रामायण सर्किट पर संचालित होने वाली 'श्री रामायण यात्रा' ट्रेन की लोकप्रियता और सफलता के बाद आईआरसीटीसी ने अब 'देखो अपना देश' के तहत चार धाम यात्रा के लिए डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन की शुरुआत की है।

प्रेस विज्ञप्ति अनुसार, 16 दिनों की यह यात्रा 18 सितंबर, 2021 को दिल्ली के सफ्दरजंग रेलवे स्टेशन से शुरू होगी और बद्रीनाथ की यात्रा कराएगी, जिसमें माना गांव (चीन सीमा के पास), नरसिंह मंदिर (जोशीमठ), ऋषिकेश, जगन्नाथ पुरी सहित पुरी का गोल्डन बीच, कोणार्क का सूर्य मंदिर, चंद्रभागा समुद्र तट, धनुषकोडी सहित रामेश्वरम, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, द्वारकाधीश, शिवराजपुर समुद्र तट और बेट द्वारका शामिल है।

इस यात्रा के दौरान श्रद्धालु करीब 8 हजार 5 सौ किलोमीटर का सफर तय करेंगे। स्टेट ऑफ आर्ट डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन में यात्रियों के लिए कई सुविधाएं दी गई हैं। ट्रेन में दो बढ़िया डाइनिंग रेस्तरां, एक आधुनिक किचन, कोचों में शॉवर क्यूबिकल्स, सेंसर-आधारित वॉशरूम फंक्शन, फुट मसाजर सहित कई विशेषताएं हैं। पूरी तरह से वातानुकूलित ट्रेन दो प्रकार के आवास प्रदान करती है - फर्स्ट एसी और सेकंड एसी। ट्रेन में यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। ट्रेन के प्रत्येक कोच में सीसीटीवी कैमरों के अलावा सुरक्षा गार्ड को तैनात किए गया है।

नर्सेस की हड़ताल अवैध, जल्द काम पर लोटे - हाई कोर्ट

जबलपुर। मध्यप्रदेश में पिछले 8 दिनों से जारी नर्सेस की हड़ताल को मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने अवैध घोषित कर दिया है। नर्सेस हड़ताल के खिलाफलगी जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने सख्त आदेश दिए हैं कि, सभी नर्सेस अपनी हड़ताल को खत्म करते हुए तुरंत काम पर लौटे, साथ ही हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को भी आदेश दिए हैं कि, नर्सेस की जो मांगे है उसके लिए भी कमेटी गठित कर उसका एक महीने में निराकरण करें।

नागरिक उपभोक्ता मंच ने लगाई थी याचिका

कोरोना संक्रमण काल में अपनी मांगों को लेकर नर्सेस का हड़ताल पर जाना जनहित को देखते हुए ठीक नहीं है। लिहाजा इसको देखते हुए नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। याचिका में सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने हड़ताल पर बैठी प्रदेश भर की नर्सेस को काम पर वापस जाने के आदेश दिए है। गौरतलब है कि, मध्यप्रदेश सरकार ने पिछले दिनों एक नोटिफिकेशन जारी करते हुए पहले ही डॉक्टरों-नर्सो की सेवा को अति आवश्यक बताया था, इसके बाद भी नर्सेस हड़ताल पर चली गई।

हाई कोर्ट ने जहाँ कोरोना काल में नर्सेस की सेवा को अति आवश्यक मानते हुए वापस काम पर लौटने के आदेश दिए है। वही राज्य सरकार से भी कहा है कि, नर्सेस ने जितने भी दिन काम बंद कर हड़ताल की है उसका वेतन न रोकें।

वैक्सीन की दोनों खुराकें लेने से घट जाता है कोरोना से मौत का जोखिमः आईसीएमआर

नई दिल्ली। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने अपने ताजा अध्ययन में पाया है कि, वैक्सीन की दो खुराकें कोरोना से होने वाली मौतों को 95 फीसदी तक कम करती हैं, तो वहीं सिंगल डोज लेने वालों में मौत का जोखिम 82 फीसदी तक घट जाता है। यह अध्ययन इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में छपा है। अध्ययन तमिलनाडु पुलिस विभाग में काम करने वाले उन 1 लाख 17 हजार 524 कर्मियों पर किया गया है, जो वैक्सीन की एक या दोनों डोज ले चुके हों।

शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में बताया है, हमारे अध्ययन में यह संकेत मिलते हैं कि भले ही वैक्सीन की एक ही खुराक क्यों न ली गई हो, उससे कोरोना मौतों कम होती हैं। कोरोना से होने वाली मौतों को कम करने और भविष्य में इसकी लहरों से बचने के लिए जल्द ही बड़ी आबादी का टीकाकरण जरूरी है।

तमिलनाडु पुलिस डिपार्टमेंट दूसरी लहर के दौरान अपने सभी सदस्यों के टीकाकरण और कोरोना मौतों के आंकड़ों को लेकर दस्तावेज तैयार कर रही है। इस दस्तावेज में अस्पताल में भर्ती होने की तारीख और टीकाकरण संबंधी जानकारियां भी हैं।

दोस्ती को किया कलंकितः सहेली के साथ दुष्कर्म में बहन ने भाई का किया सहयोग

भाई-बहन के साथ तीन पर मामला दर्ज

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के जावरा में रहने वाली एक 25 वर्षीय विवाहिता के साथ उसकी सहेली का भाई दुष्कर्म कर रहा था। आरोपी ने अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी देकर पीड़ित महिला से दोबारा दुष्कर्म किया और 10 हजार रुपयों की वसूली भी की। पीड़ित महिला की सहेली भी दुष्कर्म के आरोपी भाई की मदद करती थी। दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग की शिकार हुई महिला ने यह बात अपने पति को बताई, जिसके बाद पीड़िता की शिकायत पर मल्हारगढ़ थाना क्षेत्र के कांचरिया देव गांव के धारासिंह, उसकी बहन और एक अन्य आरोपी पर जावरा सिटी थाने में प्रकरण दर्ज किया गया है।

सिटी थाना पुलिस ने बताया, जावरा निवासी 25 वर्षीय विवाहित महिला की एक सहेली अपने भाई के साथ उससे मिलने आया करती थी। एक अप्रैल को सहेली का भाई धारासिंह महिला के घर पहुंचा और पति की हत्या कर देने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया और उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया। इसके बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी ने पीड़िता से दोबारा दुष्कर्म किया और उससे 10 हजार रूपए की वसूली भी कर ली।

पीड़िता को धमकाने और ब्लैकमेल करने में धारासिंह की बहन और एक अन्य साथी सुनील भी उसका सहयोग कर रहा था। अपनी सहेली के भाई द्वारा दुष्कर्म और सहेली से दोस्ती में धोखा खाने के बाद पीड़ित महिला ने पूरा मामला अपने पति को बताया उसके बाद मामला दर्ज करवाया।

उक्त मामले में जावरा शहर थाना पुलिस ने दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और धमकाने के मामले में आरोपी धारासिह पिता तुलसीराम सोलंकी निवासी काचरिया देव थाना मल्हारगढ जिला मन्दसौर, उसकी बहन और एक अन्य साथी सुनील के खिलाफ 450, 376(2)द, 376(क), 387, 506 भादवि का प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

विदेश मंत्री रूस की तीन दिवसीय यात्रा पर

नई दिल्ली, एजेंसी। एक ओर जहां पीएम मोदी ने अपनी कैबिनेट का विस्तार किया, वहीं दूसरी ओर अफगानिस्तान में तालिबान पर प्रहार करने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस की तीन दिन की यात्रा पर रवाना हो चुके हैं। तेहरान के रास्ते होते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस की राजधानी मास्को के लिए बुधवार को रवाना हुए। माना जा रहा है कि, अफगानिस्तान के घटनाक्रम ही इस दौरे के मुख्य एजेंडे हैं।

रूस दौरे के दौरान ही विदेश मंत्री का पड़ाव ईरान भी होगा, जहां वह तेहरान में सरकार के साथ आधिकारिक बैठक कर सकते हैं।

बताया जा रहा है कि, विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के बीच वार्ता में कोरोना वायरस महामारी से लड़ाई में सहयोग एवं अन्य मुद्दों पर विचार-विमर्श हो सकता है। सूत्रों ने यह भी बताया कि, जयशंकर के दौरे का उद्देश्य वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन की तैयारी करना और अफगानिस्तान में तेजी से उभरती परिस्थितियों पर चर्चा करना है।

विदेश मंत्रालय की मानें तो रूस के साथ बातचीत में कोविड-19 महामारी से लड़ाई के खिलाफसहयोग और विभिन्न क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों सहित द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। सात जुलाई से नौ जुलाई के दौरे में जयशंकर उप प्रधानमंत्री यूरी बोरीसोव से मुलाकात करेंगे जो भारत-रूस वाणिज्य, अर्थ, वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी एवं सांस्कृतिक सहयोग पर अंतर सरकारी आयोग में उनके समकक्ष हैं।

वह अंतरराष्ट्रीय मामलों पर स्टेट डूमा कमिटी के अध्यक्ष लियोनाद स्लत्सकी से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि, जयशंकर मॉस्को में प्रतिष्ठित प्रीमाकोव इंस्टीट्यूट ऑफ वर्ल्ड इकोनॉमी एंड इंटरनेशनल रिलेशंस में 'बदलती दुनिया में भारत-रूस संबंध' पर व्याख्यान भी देंगे। भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन पिछले वर्ष कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित हो गया था।

बढ़ रहे नशे के कारोबार को लेकर पुलिस कर रही ऊँट पर बैठकर बकरी चराने का काम

जिले में बर्बादी की कहानी लिख रहा नशे का कारोबार, बड़े तस्कर पुलिस की पकड़ से दूर

माही की गूंज, झाबुआ। मुजम्मील मंसूरी

दुनिया में सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश हमारा भारत है, लेकिन नशाखोरी और नशे के कारोबार में फंसकर बड़ी तादाद में युवा जेलों में बंद है। नशे की लत या नशे के कारोबार ने इनके जीवन के अस्तित्व को खतरे में डाल दिया है ओर ऐसे कई परिवार बर्बादी की ओर लगातार बढ़ते जा रहे है। यह भी सत्य है कि नशा, नाश का कारण है। किसी भी देश को बर्बाद करने के लिए जरूरी नहीं कि उस पर मिसाइलें दागी जाए। किसी भी देश का भविष्य उसकी युवा शक्ति पर निर्भर करता है। यदि देश की नींव कहे जाने वाले इस युवा वर्ग को नशे की लत, लग जाए तो देश को गर्त में जाने से कोई रोक नहीं सकता। नशे का कारोबार बर्बादी की कहानी लिखने में खामोश व नशीला युद्ध का रोल अदा करने वाला अचूक हथियार है। अपराध की दुनिया से जुड़े तमाम विवादों का जन्म यहा से शुरू होता है। नशे के शौक से आपराधिक जगत का ग्राफ भी बढ़ रहा है। नशे का कारोबार करने वाले नशे को मनचाहे दामों पर बेचकर कई लोगों के भविष्य को बर्बाद करके धनाढ्य बन रहे। नशे के कारोबार में लिप्त लोगों के सर पर राजनीतिक संरक्षण तो रहता ही है वही पुलिस का निकम्मापन इन्हे रोकने की बजाय बढ़ावा देता ही दिखाई देता है।

जिले में नशे के कारण कई युवाओं ने अपनी जान गंवाई। कई बार नशे में धुत्त होकर तो कहीं नशेडियों के हमले से कई घरों के चिराग बुझ गए। वही सांप निकलने के बाद लाठी पीटने की तर्ज पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किए और उन्हे सुलझाया भी, लेकिन पुलिस ने कभी नशे के कारोंबार को जड़ से खत्म करने की कोशिश ही नहीं की। किया तो सिर्फ यह कि उसकी आसपास की टहनियों को काट दिया ताकि वह फिर से दुगनी रफ्तार से फैल सके। नशे के कारोबार का यह पौधा अगर पुलिस उखाड़ना चाहती है तो इसकी जड़े उखाड़नी होगी। जिले में फैले इस नशे के समंदर की बड़ी मछली पर हाथ डालना होगा वरना वह कहावत है कि 'ऊँट पर बैठ कर बकरी चराने का क्या फायदा ...?'

पुलिस ने रविवार रात एक युवक को ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा। बताया जा रह है कि ,यह युवक ब्राउन शुगर लेकर गुजरात में कहीं खपाने जा रहा था। पुलिस की पकड़ में आने के बाद जब पूछताछ की गई तो उसने पुलिस को बताया कि उसने यह ड्रग्स जिला मुख्यालय के समीप ग्राम मिंडल के राहुल पिता सिमोन डामोर से खरीदी है। राहुल वही सख्स है जो 12 मार्च को ब्राउन शुगर केस में पकड़ा गया था। उस समय भी पुलिस ने इसके कब्जे से करीब 40 हजार रुपये का ड्रग्स बरामद किया था। उस समय इसके साथ पुलिस तीन और लोगों को गिरफ्तार किया था जिसमें भाजपा से जुड़ी एक महिला भी शामिल थी। नशा तस्करों का यह गिरोह रतलाम, मंदसौर, नीमच व उसके आसपास से ब्राउन शुगर लाकर यहां के युवाओं को बैचता है। पुलिस ने इन्हे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था लेकिन पिछले महीने ही राहुल को जमानत मिल गई। बाहर आने के बाद राहुल ने फिर से अपना नशे का कारोबार शुरू कर दिया।

रविवार को पकड़ी गई ब्राउन शुगर की कीमत 50 हजार बताई जा रही है। इस मामले में पुलिस ने जिस युवक को पकड़ा है उसका नाम शाहिद रजा निवासी राणापुर बताया जा रहा है। इसके अलावा पुलिस अपनी आदत अनुसार अभी तक इसकी किसी भी बड़ी कड़ी तक नही पहुंच पाई है। पकड़े गए युवक ने राहुल का नाम लिया लेकिन वह भी अभी तक पुलिस गिरफ्त से बाहर ही है। राहुल पर और भी कई मामले दर्ज है। पुलिस ने गिरफ्तार युवक को न्यायालय में पेश कर वहां से उसे जेल भेज दिया गया।

इसके विपरीत पिछले दो सालों में नशे के अधिक सेवन से झाबुआ शहर के तीन युवकों ने अपनी जान गवाई है। इसके अलावा नशे के कारण ही दो युवकों की हत्या भी जिला मुख्यालय पर हो चुकी है। नशे के कारण अपने बच्चों को खोने वाले माता-पिता व परिजनों के साथ कई सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों ने भी जिले के आला अधिकारियों को जिले में नशे के कारोबार पर रोक लगाने के लिए आवेदन के साथ अनुनय विनय किए। उन्हे आश्वासन भी दिए गए, लेकिन जिले में नशे का नाश करने की कोई ठोंस कार्रवाई नही की गई। नशे के कारण होने वाली इन घटनाओं में सिर्फ नसेड़ी या छोटे -मोटे तस्कर ही पुलिस अब तक पकड़ पाई है। यानी नशे से हो रही मौतों के बावजूद पुलिस अब तक अपनी करवाई के नाम पर ऊँट पर बैठ कर बकरिया ही चरा रही है। जबकि होना तो यह चाहिए था कि नशे के इस समंदर की बड़ी मछली का शिकार पुलिस करती और जिले के युवाओं व भविष्य को नशे के समंदर में डूबने से बचाती।

मगर कहते है न कि उम्मीद पर दुनिया कायम है तो अब भी पुलिस से यही उम्मीद है कि वह इस विषय को गंभीरता से लेते हुए नशे के इस कारोबार में संलिप्त बड़े तस्करों तक पहुंचकर उन्हे सलाखों के पीछे पहुंचाएगी। अगर पुलिस इस उम्मीद पर खरी नहीं उतरती है तो जिले के युवा वर्ग को नशे के नाश से कोई नहीं बचा पाएगा। जिस युवा पीढ़ी से बहुत उम्मीदें है वही युवा पीढ़ी नशे के समंदर में गर्क होकर जिले के अस्तित्व को खत्म करने की कगार पर पहुंचा देगी।

गूंज असर: विधायक ने तय की धरने की तारीख

झाबुआ मार्ग पर टूटे पुल निर्माण के लिए धरने की धमकी देकर गायब हुए थे विधायक मैड़ा

माही की गूंज | झाबुआ
हथेली में हाथी दिखा गए विधायक साहब, विभाग ने मोरम बिछा कर दिया ऊंट के मुंह में जीरे वाला काम

माही की गूंज, रायपुरिया।

माही की गूंज अखबार के पिछले अंक में ''हथेली में हाथी दिखा गए विधायक साहब, विभाग ने मोरम बिछा कर दिया ऊँट के मुँह में जीरे वाला काम'' शीर्षक के साथ प्रकाशित समाचार के बाद गूंज की खबर का असर हुआ है और विधायक अब धरने की तारीख तय कर लगभग तीन वर्षो से चल रही रायपुरिया-झाबुआ मार्ग पर टूटे पूल निर्माण करवाने की बात कही है। विधायक वालसिंह मैडा ने बताया कि, 12 जुलाई सोमवार को 11 बजे एक दिन का धरना प्रर्दशन पुल निर्माण की माँग को लेकर किया जाएगा, यदि जिम्मेदारो की और से आश्वासन मिलता है तो उस तिथि तक इंतजार करेंगे वरना आगे की योजना बनाकर फिर से प्रदर्शन करेंगे।

दरसल झाबुआ-रायपुरिया मार्ग पर पुल क्षतिग्रस्त हुए करिबन तीन वर्ष होने को आए है लेकिन अभी तक पुल का निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है, जिसको लेकर पेटलावद विधानसभा के विधायक वालसिह मैडा ने कुछ समय पहले प्रशासन को चुनौती दी थी, अगर एक सप्ताह मे पुल का निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो मैं धरने पर बेठुंगा। जिसको लेकर बुधवार को विधायक वालसिह मैडा ने जानकारी देते हुए बताया कि, 12 जुलाई को वे अपने कार्यकर्ताओं के साथ धरना प्रदर्शन करेगे, जिसमे पेटलावद क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधी ओर कार्यकर्ता उपस्थित रहने की बात कही है।

बता दे कि, लोक निर्माण विभाग की लापरवाही की वजह से उक्त स्थान दुर्घटना क्षेत्र में तब्दील गया है और यहां वाहन दुर्घटना में लोगो की मौत तक हो चुकी हैं व कई लोग घायल भी हो चुके हैं। अब विधायक के प्रयासों के बाद प्रशासन और भाजपा सरकार जागती है या नही ये देखना होगा और ये भी देखना होगा कि, विधायक मैडा जनता के हित के लिए मैदान में उतरते है या फिर केवल राजनीति चमकाते है।

11 जुलाई से 11 अगस्त तक जनसंख्या स्थिरता माह मनाया जाएगा

दम्पति संपर्क पखवाड़ा 27 जुन से 10 जुलाई, सेवा प्रदायगी माह 11 जुलाई से 11 अगस्त तक

माही की गूंज, झाबुआ।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वाण‌अधिकारी डॉ. जेपीएस ठाकुर ने बताया कि 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्‌देश्य लोगों के बीच में बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणामों से अवगत कराना है। आज की परिस्थतियों में यह आवश्यक है कि हम विकराल रूप ले चुकी जनसंख्या वृद्धि को निर्यत्रित करने हेतु तुरन्त प्रभावी कदम उठाये। इसके लिये शासन परिवार नियोजन कार्यक्रम योजनाओं का संचालक किया जा रहा है। जनसंख्या को स्थिर करने के लिये चार महत्वपुर्ण कारक ही जिसके बारे में दम दम्पतियों को एवं अन्य लोगों को जानकारी प्रदान करना है। वर्तमान में भारत की जनसंख्या लगभग एक अरब पच्चीस करोड़ से भी ज्यादा हो गई है। तेज गति से बढ़ रही जनसंख्या से पर्यावरण को भी नुकसान होने लगा है साथ में बेरोजगारी भी बढ़ने लगी है । इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई से 11 अगस्त तक जनसंख्या स्थिरता माह मनाया जाएगा। जिसके अंतर्गत व्यक्तिगत सम्पर्क के माध्यम से सभी चिन्हित लक्ष्य दम्पतियों से सम्पर्क कर उन्ही परिवार नियोजन के साधनां व संबंधित जानकारी प्रदाय की जाएगी। जिसमें अपनी पसंद का साधन उपयोग कर सकेगे। आज की परिस्थितियों में यह आवश्यक है कि हम विकराल रूप ले चुकी जनसंख्या वृद्धि को नियन्त्रित करने हेतु तुरन्त प्रभावी कदम उठाये। कोविड गाइड लाइन का पालन करते हुये सभी योग्य दम्पतियों को परिवार नियोजन की सेवा फिक्स डे नसबंदी सेवा प्रदान की जाएगी इन्छुक दम्पति नसबंदी करवा सकते है। अस्थाई साधन गांव में आषा कार्यकर्ता एवं एनएम से प्राप्त कर सकते है तथा सभी प्राथमिक स्वाण्केन्द्र एवं सामुदायिक स्वा. केन्द्र में भी उपलब्ध है। पूरे माह नसबंदी की स्थाई सेवा प्रदान करने हेतु सभी विकासखण्ड को निर्देशित किया गया है ।

पॉलिटेक्निक कॉलेज की जनभागीदारी समिति के सामान्य परिषद, प्रबंध समिति की बैठक सम्पन्न

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय झाबुआ की जनभागीदारी समिति के सामान्य परिषद, प्रबंध समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के प्रारम्भ में पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य गिरीश गुप्ता ने पुष्प गुच्छ से कलेक्टर का स्वागत किया। जनभागीदारी सामान्य परिषद की बैठक में उपस्थित सदस्य सांसद प्रतिनिधि अर्पित कटकानी, विधायक प्रतिनिधि वसीम सैय्यद, पूर्व छात्र प्रतिनिधि संजय शाह, पूर्व छात्र प्रतिनिधि शिल्पा सोलंकी, अभिभावक प्रतिनिधि जीएस सस्तिया, अभिभावक प्रतिनिधि नाकुसिंह डामोर, उद्योग प्रतिनिधि एमएस ठाकुर उपस्थित थे। जनभागीदारी प्रबंध समिति के सदस्य प्राचार्य धार पॉलिटेक्निक आयुक्त प्रतिनिधि डॉ. शशांक तिलवणकर, कार्यपालन यंत्री लोक निमार्ण विभाग विजय सिंह पंवार, व्याख्यता विद्युत अमियराज चौहान, व्याख्यता गणित डॉ. प्रशांत तिलवणकर, प्राचार्य पॉलीटेकिनिक कॉलेज अलिराजपुर आरजीपीवी प्रतिनिधि बीएस जमरा उपस्थित थे।

बैठक में समिति के सामान्य परिषद, प्रबंध समिति की बैठक विकास निधि के वर्ष 2021-22 में प्रस्तावित आय व्यय के प्रस्तावों का बजट अनुमोदन, संविदा व्याख्याताओं के नियमितिकरण, संविदा व्याख्याताओं को कैरियर एडवान्समेंट स्कीम के 7 प्रकरण, भर्ती नियम 2004 के अंतर्गत नियुक्त व्याख्याताओं के सातवा वेतनमान विकास निधि से विगत वर्षो में आय व्यय अंकेक्षण प्रतिवेदन, विकास निधि के अंकेक्षण हेतु चार्टेड एकाउंटेट का निर्धारण, अध्यक्ष की अनुमति से अन्य प्रस्ताव पर विचार किया गया। बैठक में 7 बिन्दुओं बजट 2021-22 रुपये 74.74 लाख विकास निधि के मद में कार्यवाही की जाना प्रस्तावित की गई। बैठक के अन्त में प्राचार्य गुप्ता ने आभार माना।

केंद्र सरकार द्वारा जनजाति समाज को वनों पर अधिकार देने की पहल का वनवासी कल्याण परिषद् ने किया स्वागत

माही की गूंज, झाबुआ। जनजाति समाज को वनों पर अधिकार देने हेतु केंद्र सरकार ने पहल कर जनजाति एवं वन मंत्रालय की संयुक्त गाइड लाइन जारी की गई है। जिसके अनुसार अब ग्राम सभा को प्रबंधन के अधिकार देने की मांग पूर्ण की गई है। उक्त मांग पूर्ण होने पर वनवासी कल्याण परिषद् ने केंद्र सरकार का इसे स्वागत योग्य कदम बताते हुए हर्ष व्यक्त किया है। केंद्रीय मंत्री, जनजातीय मंत्री एवं केंद्र सरकार का वनवासी कल्याण परिषद् के झाबुआ जिला संगठन मंत्री गनपतसिंह मुनिया, युवा प्रमुख अल्केश मेडा वनवासी प्रमुख झाबुआ हितरक्षक कांजी भूरिया, वनवासी कल्याण परिषद् होस्टल अध्यक्ष महेश मुजाल्दे आदि ने आभार व्यक्त करते हुए एक-दूसरे को मिठाई खिलाई।

प्रादेशिक ई-चिंतन सत्र का हुआ आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

केन्द्रीय प्रशिक्षण विभाग व भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित प्रादेशिक ई चिंतन सत्र का जिला भाजपा कार्यालय झाबुआ में आयोजन किया गया। जिला भाजपा मिडिया प्रभारी योगेन्द्र नाहर ने बताया कि ई चिंतन सत्र में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश द्वारा डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार एवं कार्य विषय पर प्रादेशिक व जिला पदाधिकारियों व कायकर्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। इस बैठक में प्रमुख रुप से भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक, सांसद गुमान सिंह डामोर, प्रदेश मंत्री संगीता विश्वास सोनी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओम प्रकाश शर्मा, जिला भाजपा महामंत्री सोमसिह सोलंकी, जिला उपाध्यक्ष प्रवीण सुराणा, थांदला मंडी के पूर्व अध्यक्ष मनु डामोर, पेटलावद मंडी के पूर्व अध्यक्ष भरत पाटीदार आदि उपस्थित रहे। आई टी सेल प्रभारी अर्पित कटकानी द्वारा ई चिंतन सत्र का कार्यक्रम संचालित किया गया।

खण्ड स्तरीय चयन समिति की बैठक संपन्न

माही की गूंज, झाबुआ। मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर एलएन गर्ग की अध्यक्षता में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मिनी कार्यकर्ता के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु खण्ड स्तरीय चयन समिति की बैठक कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी मेघनगर में संम्पन हुई। मेघनगर परियोजना अंतर्गत ग्राम देमारा पटेल फलिया, बाडीसेरा, गडुली तथा मेघनगर बाफ्ना कॉलोनी वार्ड 3 से प्राप्त आवेदन का परिक्षण कर अनन्तिम सूची तैयार की गई है। आंगनवाड़ी के रिक्त पदों के चयन की अन्तिम सूची के विरूद्ध किसी से किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वे दिनांक 16 जुलाई तक कार्यालयीन समय में अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकते है।

काव्य गोष्ठी, पुस्तक विमोचन तथा सम्मान समारोह का आयोजन 9 को

माही की गूंज, झाबुआ। माहिष्मति कला मंच तथा राष्ट्रीय कवि संगम की जिला इकाई झाबुआ द्वारा आगामी 9 जुलाई को स्थानीय सिद्धेश्वर कॉलोनी स्थित रोटरी सदन में काव्य गोष्ठी, पुस्तक विमोचन तथा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माहिष्मति कला मंच के क्षेत्रीय प्रभारी यशवंत भंडारी तथा संस्था जिलाध्यक्ष एमएल फुलपगारे उपस्थित रहेंगे। विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार मनोज जैन मौजूद रहेंगे। अध्यक्षता राष्ट्रीय कवि संगम के जिलाध्यक्ष प्रवीण सोनी करेंगे।

मीडिया प्रभारी दौलत गोलानी ने बताया कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर समाप्त होने के बाद तथा वर्तमान में कोरोना केस पूरी तरह से कम होने के बाद पुनरू साहित्य के क्षेत्र में साहित्यकारों, कवियों और रचनाकारों को अपनी प्रस्तुतियों के लिए खुला मंच प्रदान करने हेतु यह कार्यक्रम रखा गया है। काव्य गोष्ठी में साहित्यकार और कविगण बीते कोरोनाकाल में जिले में बने परिदृश्य, वर्तमान हालातो और भविष्य को लेकर भी अपनी-अपनी रचनाओं और कविताओं का पाठ करेंगे। गीत, गजल, देशभक्ति रचनाएं आदि प्रस्तुत करेंगे।

डॉ. गीता दुबे का किया जाएगा सम्मान

कार्यक्रम में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ के सेवानिवृत्त लेखापाल नंदकिशोर पंवार की पुस्तक 'मेरी आत्मकथा' का विमोचन होगा। साथ ही पीजी कॉलेज झाबुआ में वर्षो तक सराहनीय सेवाएं वाली वरिष्ठ प्राध्यापक तथा साहित्यकार डॉ. गीता दुबे के सेवानिवृत्ति होने पर दोनों संस्थाओं द्वारा उनका सम्मान किया जाएगा।

वसीम सैयद विधायक प्रतिनिधि नियुक्त

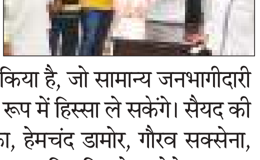

माही की गूंज, झाबुआ। विधायक कांतिलाल भूरिया ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष निर्मल मेहता की अनुशंसा पर पॉलिटेक्निक महाविद्यालय झाबुआ की जनभागीदारी समिति में अपना प्रतिनिधि युवा कांग्रेस नेता वसीम सैयद को नियुक्त किया है, जो सामान्य जनभागीदारी परिषद की बैठक में विधायक प्रतिनिधि के रूप में हिस्सा ले सकेंगे। सैयद की नियुक्ति पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रकाश रांका, हेमचंद डामोर, गौरव सक्सेना, आशीष भूरिया, विजय भाबर, विनय भाबर, साबिर फिटवेल, हेमेन्द्र बबलू कटारा, विशाल राठौर, शाहरूख खान, इश्तियाक शेख, जितेन्द्र शाह आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए विधायक भूरिया के प्रति आभार व्यक्त किया है।

13 लाख 10 हजार में से पुलिस के हाथ लगे मात्र 8 लाख 20, आरोपी एक भी हत्थे नहीं चढ़ा

बैंक में हुई चोरी का पुलिस ने किया खुलासा मगर जारी प्रेसनोट में चोरी हुई रकम का जिक्र नहीं

बकाया 4 लाख 90 हजार का कोई खुलासा नहीं

माही की गूंज, झाबुआ।

29 जून को शहर की जिला सहकारी केंद्रीय बैंक से 13 लाख 10 हजार रुपयों से भरा बैग चोरी हो गया था। सात दिन बाद पुलिस ने मंगलवार को इसका खुलासा किया। पुलिस ने प्रेसवार्ता आयोजित कर बताया कि सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से उन्हे कार का पता लगा और वह इस चोरी का खुलासा कर पाई है। कार मालिक सहित वारदात को अंजाम देने वाले तीन लोगों को आरोपित बनाया गया है। इनमें एक नाबालिग भी है। चारों आरोपित फरार है लेकिन उनके घर से 8 लाख 20 हजार रुपये जप्त हो गए है। चोरी की घटना को अंजाम देने वाले सभी आरोपी राजगढ़ जिले के कडिया सांसी गांव के है।

29 जून को हुआ कुछ ऐसा था कि देवझिरी आदिम जाति सोसायटी के कर्मचारी किसानों से ऋण वसूली के रुपये लेकर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक पीलीकोठी में जमा करने के लिए पहुंचे थे। वे अपना रुपयों से भरा बैग काउंटर पर रखकर जमा पर्ची भर रहे थे। इसी बीच बैग गायब हो गया था। इतनी बड़ी रकम बैंक से गायब होते ही हड़बड़ी मच गई थी। जिसके बाद पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। पुलिस ने बैंक व शहर के सीसीटीवी खंगालने शुरू किए और घटना के सात दिन बाद वारदात का खुलासा भी कर दिया।

झाबुआ पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि कार से नाबालिग व दो आरोपित झाबुआ आए। कार चर्च कालोनी के पास खड़ी कर दी गई। फिर एक ऑटो से तीनों राजवाड़ा आए। यहां से जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में आकर वहां की तमाम गतिविधियों पर नजर रखने लगे। मौका देखते ही नाबालिग आरोपी बैंक के अंदर गया और 13 लाख 10 हजार का बैग उठाकर रफुचक्कर हो गया। बैंक के बाहर मौजूद दोनों साथियों के साथ वे फिर राजवाड़ा गए और वहां से ऑटो किराए पर लेकर जिला अस्पताल के सामने उतर गए। यहां से वे अपनी कार में बैठक कर रवाना हो गए।

पुलिस ने मुखबिरों को एकदम से अलर्ट कर दिया। थाना प्रभारी सुरेन्द्रसिंह गडरिया के साथ एक टीम राजगढ़ ब्यावरा जिले में भेजी गई और स्थानीय पुलिस की मदद ली गई। इस बीच यह जानकारी मिली कि राजगढ़ ब्यावरा जिले के बोड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कडिया सासी क्षेत्र के लोग इसी तरह से बैंकों में जाकर वारदात करते है। दो दर्जन से अधिक लोगों को पूछताछ करने के बाद आरोपितों की पुख्ता पहचान की गई और उनके घर पर दबिश दी गई। आरोपित फरार हो गए लेकिन उनके घर से छान-बीन करने पर 8 लाख 20 हजार रुपये जप्त किए गए है। वारदात करने वाले नाबालिग व उसके दो साथी सावन उर्फसावंत, चप्पू पुत्र भारतसिंह सिसौदिया, काबरा पुत्र बंशीलालसिंह सिसौदिया दोनों निवासी कडिया सासी के अलावा कार मालिक रानीबाई पति दिलीपसिंह निवासी ग्राम जाट खेड़ी को भी आरोपित बनाया गया है। चारों आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए 10-10 हजार रुपये ईनाम की घोषणा की गई है।

पुलिस ने प्रेसवार्ता व प्रेसनोट जारी करते हुए घटना का खुलासा तो कर दिया लेकिन यहां यह नहीं बताया गया कि चोरी हुई रकम कुल कितने रुपये थी। पुरी प्रेसवार्ता में बरामद किए गए 8 लाख 20 हजार का जिक्र ही होता रहा। जबकि इस घटना में 13 लाख 10 हजार रुपये चोरी होने की बात कही जा रहा है। अगर चोरी 13 लाख 10 की थी तो पुलिस ने बकाया 4 लाख 90 हजार का खुलासा क्यों नहीं किया? या फिर यह माना जा रहा है कि चोरी भी 8 लाख 20 हजार की ही हुई थी। हालंकि पुलिस यह दावा कर रही है कि 8 लाख 20 रुपये की यह रकम उसने आरोपियों के घर से बरामद की है। चोरों के ठिकाने तक पहुंचने के बाद पुलिस को सिर्फ चोरी गई रकम का कुछ हिस्सा ही हाथ लगा। जबकि घटना को अंजाम देने वाला एक भी आरोपी पुलिस की गिरफ्त में नहीं आया। सवाल यह भी उठता है कि जब आरोपी पुलिस के पहुंचने से पहले ही फरार हो गए थे तो क्या उन्हे पता था कि पुलिस दबिश देगी। अगर ऐसा था तो वे चोरी की गई रकम अपने साथ क्यों नहीं ले गए। अगर इसका यह तर्क है कि बाकी के 4 लाख 90 हजार चोर अपने साथ ले गए। तो फिर वह बरामद की गई 8 लाख 20 हजार की रकम क्यों छोड़ गए। अभी घटना के सारे आरोपी फरार है, अगर यह पकड़े नहीं गए तो 4 लाख 90 हजार की रकम पर प्रश्नचिन्ह लटकता ही रहेगा। यदि देर-सवेर इन आरोपियों को पकड़ भी लिया जाता है तब भी 4 लाख 90 हजार की रकम बरामद होना शंका के घेरे में है।

कुम्भकर्णी नींद में सोई नगर परिषद, भू-माफिया ने कर ली नाले पर कब्जे की तैयारी

माही की गूंज, थांदला। मुकेश भट्ट

नगर मे नगर परिषद ने बिना वैद्य अनुमति के शासकीय भूमियो पर अतिक्रमण कर निर्माण कार्य करने का चलन बन गया हैं। नगर के विभिन्न स्थानो पर रिक्त शासकीय भूमि पर लोग मनमाने तरीके से अतिक्रमण कर पक्के निर्माण कर रहे है तथा प्रशासन व नगर परिषद मूकदर्शक बनी हुई है। ताजा मामला नगर के बायपास मार्ग पर निजी भूस्वामी अपनी भूमि के साथ समीप की शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर वर्षो से बह रहे नाले को अवरूद्ध करने का प्रयास कर रहे है, जिसके संबध मे प्रशासन को शिकायत की गई उसके बाद भी कार्य बेरोकटोक जारी है। उक्त निर्माण कार्य के लिए अतिक्रमणकर्ता द्वारा किसी भी प्रकार की शासकीय अनुमती प्राप्त नही की गई है। निर्माणकर्ताओ द्वारा जिस नाले को अवरूद्ध किया जा रहा है वह वर्षो पूराना है जिसके एक हिस्से पर नगर परिषद द्वारा महिला बाल विकास विभाग के पास दुकानो का निर्माण कार्य किया जा रहा था, जिस पर अनुविभागीय अधिकारी के न्यायालयीन आदेश से रोक लगी हुई है। उक्त नाला शासकीय सर्वे न 336 मे स्थित है जिसम वर्तमान मे नगर की नालीयों का गंदा पानी बह रहा है तथा नाले का कुछ हिस्सा अन्य भूमि स्वामीयों की भूमि मे निकल रहा है। नाले पर बायपास निर्माण के समय एक पुलिया का निर्माण किया गया है निर्माणकर्ता पुलिया के पास से ही निर्माण कार्य कर रहे है।

निर्माणकर्ता द्वारा कॉलम बनाकर नाले को बंद करने का प्रयास किया जा रहा है।

शासकीय रिकार्ड मे नही है नाला

उक्त नाले के संबध मे मूर्तिपूजक जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष उमेष पीचा का कहना है कि, नाला समाज की भूमि के पीछे शासकीय भूमि मे पिछले 50 वर्षो से बह रहा है जिसमे पूरे नगर का पानी समाहित होता है। एक अन्य भूस्वामी एडव्होकेट वीरेन्द्र बाबेल का कहना है कि, उक्त नाले के समीप मेरे द्वारा वर्ष 2010 मे भूमि क्रय की गई है तब से ही उक्त नाला शासकीय भूमि मे बह रहा है। जबकि कस्बा पटवारी अशरफखान का कहना है कि, शासकीय रिकार्ड मे नाला दर्ज नही है किन्तु नाले पर निर्माण कार्य की जानकारी उच्च अधिकारीयो को दे दी गई है।

चुंकि निर्माण कार्य बायपास मार्ग पर किया जा रहा है इसलिए लोक निर्माण विभाग से भी अनापत्ति प्रमाण-पत्र लिया जाना था, किन्तु लोनिवि के उपयंत्री कृपालसिंह यादव ने बताया कि, विभाग ने निर्माण सबधी कोई अनापत्ति जारी नही की है वही नगर व ग्राम निवेश तथा नगर परिषद से भी निर्माण अनुज्ञा नही ली गई है। इतनी अनियमित्ताए होने के बाद भी प्रशासन व नगर परिषद निर्माण कार्य रोक नही पाई। नगर के एक बडे हिस्से की नालीयों का गंदा पानी तथा वर्षाजनित पानी भारी मात्रा मे इस नालें मे बहता है। उक्त नाले पर निर्माण कार्य नही रोका गया तो नगर के कई हिस्सो मे जलभराव की स्थितियां निर्मित होगी और लोगो का माली नुकसान होगा। नगर के राजापूरा बस स्टेण्ड, एमजी रोड, सब्जी बाजार, बावडी मंदिर क्षैत्र मे 3 फीट तक जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है और उस पानी के निकासी का एकमात्र स्त्रौत उक्त नाला ही है।

जब मामले में अनुविभागीय अधिकारी ज्योति परस्ते से जानकारी ली गई तो उनका कहना है कि, बायपास मार्ग पर शासकीय भूमि व नाले पर निर्माण कार्य की शिकायत प्राप्त हुई है जांचकर उचित कार्रवाई की जाएगी।

वहीं तहसीलदार शक्तिसिंह चौहान का कहना है कि, शासकीय भूमियो का सीमांकन करवाया जा रहा है, शासन की भूमियो पर कब्जा करने वालो पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उपयंत्री नगर परिषद पप्पू बारीया का कहना है कि, बायपास मार्ग पर किसी भी निर्माण कार्य की अनुज्ञा जारी नही की गई मामला संज्ञान मे आया है संबधित को नोटिस जारी किया जा रहा है।

बारिश की खेंच से गहराता पेयजल संकट

माही की गूंज, थांदला।

बारिश की लंबी खेंच से किसान चिंतित है वही ग्रामीण क्षैत्रो मे पेयजल की समस्या भी गहराती जा रही है। बारीश नही होने से जलस्त्रौत सुखते जा रहे और जलस्तर घटने से नलकूपो मे पानी आना बंद हो गया है। समीपस्थ ग्राम रूपगढ के सालेडा फलिए मे लोग पेयजल की भीषण समस्या से जुझ रहे है, फलिए के लोग 2 किमी दूर से पीने का पानी लाने के लिए मजबूर है। ग्राम के तानु रावत, उदा रावत, बदीया रावत, विसिया रावत, मंजुला रावत ने बताया कि, ग्राम के सभी जलस्त्रोत सूख चुके है जिस कारण पानी की भारी समस्या है, कोई सुनता नही है कई बार ग्रामसभा की बैठक मे हमारे द्वारा बताया गया, किन्तु कोई हल नही निकल पाया है, गांव मे अधिकारी आते है उनको भी बताया वो भी आश्वासन देकर चले जाते है। ग्राम के कई लोग गुजरात मजदूरी करने गए है उनके घरो मे बर्जुग लोग ही बचे है जिन्हे भी पानी के लिए पैदल चलकर दूर जाना पडता है। ऐसी ही 70 वर्षीय महिला भोदरी रावत ने बताया कि, मेरे घर के पास नलकूप है जो बंद है इस वजह से लकडी के सहारे दूर जाकर पानी लाना पडता है कई बार रास्ते मे गिर भी गई हुं। बारिश के मौसम मे पेयजल की इतनी गंभीर समस्या है तो भीषण गर्मी मे लोगो के पेयजल की व्यवस्था कैसे की होगी यह गंभीर चिंता का विषय है। ग्राम के ही जागरूक युवा अकलेश रावत ने सोशल मीडीया के माध्यम से यह मुददा उठाया। फलिये के लोगो की मांग है कि, ग्राम के नलकूप मे मोटर डाली जाए या फिर नए नलकूप का खनन किया जाए।

वहीं मनीष मईडा प्रभारी सचिव व रोजगार सहायक का कहना है कि, हमने पीएचई विभाग को समस्या के बारे मे कई बार बताया लेकिन उन्होने अभी तक समस्या का कोई निदान नही किया।

'मेरी दुकान निरस्त करवा रहा है' बोलकर कर दिया पत्रकार पर हमला, हमला करने वालों पर मामला दर्ज

रायपुरिया पंचायत को दुकान मामले में मिल चुका है नोटिस

विवादित दुकाने।

माही की गूंज, पेटलावद/रायपुरिया।

वर्तमान में समाचारों को लेकर पत्रकारो को धमकाना और हमले करना आम बात हो गई है। विगत दिनों पत्रकारो पर हो रहे हमलों ओर धमकी के साथ-साथ दर्ज हो रहै झूठे मामलो को लेकर जिला पत्रकार संघ का प्रतिनिधि दल जिलाध्यक्ष संजय भेटवरा के नेतृत्व मे एसपी आशुतोष गुप्ता से मुलाकात भी कर चुका है।

3 जुलाई को रायपुरिया के पत्रकार राहुल गोस्वामी पर कुछ लोगों ने रायपुरिया में अचानक रोककर जानलेवा हमला कर दिया, जिसमे पत्रकार को चोट लगी। रायपुरिया पुलिस थाने में की गई रिपोर्ट के अनुसार राहुल को जितेन्द्र रावल द्वारा फोन कर झाबुआ चौराहे पर बात करने के लिए बुलाया, वहां पहले से मौजूद जितेन्द्र और मयंक पडियार ने पत्रकार राहुल गोस्वामी के साथ लठ से मारपीट शुरू कर दी और साथ ही धमकाया की अगर मेरी दुकान निरस्त हो गई तो हम तुझे जान से मार देंगे। मामले को पुलिस द्वारा गम्भीरता से लेते हुए पत्रकार पर हमला करने वाले जितेन्द्र रावल और मयंक पड़ियार पर आईपीसी की धारा 341, 294, 506, 34, 323, 504 के अंतर्गत मामला दर्ज किया है। वहीं उक्त मामले में जिला पत्रकार संघ ने मांग की है कि, जल्द ही ऐसे असमाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

मार्केट निर्माण में हेरा-फेरी के कारण मिल चुका है ग्राम पंचायत को नोटिस

रायपुरिया में झाबुआ रोड पर ग्राम पंचायत द्वारा बनाए गए मार्केट के निर्माण में धांधली उजागर हो रही है। पत्रकार द्वारा सूचना अधिकार में प्राप्त दस्तावेजो के आधार पर शिकायत की गई है और उसी के आधार पर मामले की जांच चल रही है। जिला सीओ द्वारा मामले में ग्राम पंचायत को नोटिस जारी किया जा चुका हैं। हेरा-फेरी के कारण कुछ दुकानदारों को दुकान निरस्त होने का डर सता रहा है जिसके चलते मामले को उठाने वाले पत्रकार को निशाना बनाया गया। पुरे मामले में ग्राम पंचायत की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है और पत्रकार राहुल गोस्वामी का कहना है कि, उक्त हमला ग्राम पंचायत के जवाबदारो के उक्साने पर किया गया। वही ग्राम पंचायत के प्रधान सुखराम मैड़ा और सचिव तोलसिह का कहना है कि, इस मामले में उनकी कोई जानकारी या भूमिका नही है हम अधिकारीयो द्वारा जारी नोटिस का जवाब देकर अपना पक्ष रखेगे।

पूर्व में भी हो चुका है विवाद

पूर्व में भी प्रकाशित समाचारों को लेकर सरपंच के पुत्र पर विवाद कर धमकाने का आरोप लगाते हुए पत्रकार द्वारा रायपुरिया थाने में आवेदन दिया था। वही एक दुकानदार द्वारा पत्रकार के विरुद्ध शिकायत की गई थी जिस पर पुलिस द्वारा दोनों पक्षों पर 107, 116 की कार्रवाई की गई थी।

बारिश से पहले ही दिखने लगा चैक डेम का घटिया निर्माण

ग्राम पंचायत अमरगढ़ में मूल्यांकन से पहले ही चैक डेम फूटने की कगार पर

माही की गूंज, पेटलावद।

नदी पुनर्जीवन के नाम पर पेटलावद विकास खण्ड में हुए भ्रष्टाचार की कहानी अब खुद बने हुए चैक डेम सुना रहे हैं। विकास खण्ड की कई पंचायतो में घटिया निर्माण का खुलासा माही की गूंज द्वारा किया गया है लेकिन कमीशन की भेंट चढ़े ये चैक डेम अब जांच के नाम भ्रष्टाचार के शिकार हो रहै है, जबकि घटिया निर्माण करने वालो पर कार्रवाई होनी चाहिए थी। ग्राम पंचायतो में बने ज्यादातर चैक डेम व स्टॉप डेम घटिया क्वालटी के बने हैं जो बारिश से पहले ही फटने की कगार पर है।

ग्राम पंचायत अमरगढ़ में कलसाडिया रोड़ पर बने चैक डेम को देखकर ही उसके निर्माण के स्तर का पता चलता है, उक्त चैक डेम का अभी तक मूल्याकंन भी नही हुआ और डेम फूटने की कगार पर पहुँच गया है। उक्त डेम में जगह-जगह दरारें पड़ गई और फट गया है, मुमकिन है जोरदार बारिश के होते हैं डेम पूरी तरह से बह जाएगा।

कार्य के उपयंत्री नीरज पांचाल ने इस संबंध में बताया कि, निर्माण कार्य का किसी तरह का मूल्यांकन नही किया गया है, यदी मौके पर कार्य गुणवत्ताहीन पाया जाता है तो उसका मूल्यांकन भी उसी स्तर से कर भुगतान किया जाएगा। ग्राम पंचायत अमरगढ़ में लाखो की लागत से बने चैक डेम में हुए घटिया निर्माण को लेकर ग्राम के ही बाबू बिलवाल ने एसडीएम पेटलावद और मुख्यमंत्री मंत्री ऑनलाइन पर शिकायत दर्ज करवा रखी है। कार्य की जांच हेतु एसडीएम गेमावत शिकायत पर जांच के लिए मौके पर भी जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई होती नजर नही आ रही है। शिकायतकर्ता बाबू बिलवाल ने बताया कि, ग्राम पंचायत सचिव द्वारा शिकायत वापस लेने के लिए दबाव डाला जा रहा है।

मन्दिर के लिए विधायक से दस लाख की सहायता राशि की मांग

माही की गूंज, पेटलावद।

विगत दिनों पेटलावद रेस्ट हाउस में आयोजित कांग्रेस की बैठक में पहुँचे ग्राम अमरगढ़ के ग्रामीणों ने ग्राम में शीतला माता के मन्दिर निर्माण हेतु दस लाख रूपए की राशि की मांग की है। बाबू बिलवाल ने बताया कि, हमारी आस्था का केन्द्र शीतला माता मन्दिर का निर्माण जन सहयोग से किया जा रहा है जिसके लिए बड़ी राशि की आवश्यकता है, विधायक मैड़ा द्वारा कार्य हेतु मदद करने के लिए आश्वासत किया था, जिस हेतु हम सब ग्रामीणों ने विधायक के पास पहुंचकर मन्दिर निर्माण में सहयोग हेतु दस लाख रुपए देने को मांग रखी है।

नर्सेस एसोसिएशन ने सरकार की सद्बुद्धि के लिए किया हवन

माही की गूंज, झाबुआ। मप्र नर्सेस एसोसिएशन के आव्हान पर एसोसिएशन की जिला इकाई द्वारा जिले में भी विगत 30 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल की जा रहीं है। एसोसिएशन की 12 सूत्रीय मांगे है। जिसको लेकर वे चरणबद्ध आंदोलन कर रही है। मांगे नहीं माने जाने तक एसोसिएशन की हड़ताल जारी रहेगी।

एसोसिएशन की जिलाध्यक्ष सुरईया पठान ने बताया कि इसी क्रम में मंगलवार को दोपहर 11 बजे एसोसिएशन की पदाधिकारियों द्वारा कलेक्ट्रोरेट पहुंचकर मप्र के मुख्यमंत्री के नाम 12 सूत्रीय मांगों को ज्ञापन एसडीएम झाबुआ सोहन कनास को सौंपा गया। बाद दोपहर 12 से 1 बजे तक हड़ताल स्थल जिला चिकित्सालय के सामने शेड में बैठकर हवन का आयोजन किया। हवन के माध्यम से सरकार की सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना की। हवन विद्वान पं. दीपक जोशी ने संपन्न करवाया। बाद समस्त फिमेल नर्सेस द्वारा धार्मिक भजन और गीत गाए गए।

कई महत्वपूर्ण कार्य हो रहे प्रभावित

ज्ञातव्य रहे कि एसोसिएशन द्वारा प्रतिदिन मांगों को लेकर अलग-अलग तरीके से विरोध प्रकट करते हुए सरकार तक अपनी मांगों को पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे है। उधर दूसरी तरफस्टॉफनर्सेस की हड़ताल से जिला चिकित्सालय सहित जिले के सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर कई महत्वपूर्ण कार्य लगातार प्रभावित हो रहे है। मंगलवार को एसोसिएशन की अनिश्चितकालीन हड़ताल का 7 वां दिन रहा।

बारिश की लम्बी खेंच से किसान परेशान, उगती फसल ही सुखने की कगार पर

माही की गूंज, थांदला।

बारिश की खेच से किसानों में चिंता बढ़ने लगी है। पिछले 15 दिन पूर्व हुई बारिश के समय कृषकों ने अपने खेतों में बोवनी कर दी थी मगर बीते कई दिनों से बारिश न होने से बोवनी करने वाले इन किसानों की चिंता और बढ़ चुकी है। अंचल में अब तक कुल 166 पॉइंट 2 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है जिसमें बीते 1 सप्ताह से मात्र 5 पॉइंट 8 मिलीमीटर वर्षा हुई है और यह वर्षा भी रविवार अल सुबह हुई थी। पिछले वर्ष 270 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी थी जिसकी तुलना में इस वर्ष 100 मिलीमीटर बारिश कम हुई है। कृषक दलिया ने बताया कि, अगर कुछ दिनों में बारिश नहीं हुई तो किसानों को पुनः बोवनी करना पड़ेगी। कृषक मुन्ना ने बताया कि, अब अगर कुछ दिन बारिश नहीं हुई तो किसान फिर से बोवनी करेगा और किसान अब रासायनिक खेती के बजाए जैविक खेती करने लगा है, लेकिन बारिश नहीं हुई तो इस वर्ष भी खेती खराब होने का डर लगा हुआ है। अब किसान भगवान भरोसे ही अपने खेतों पर आंखें लगाए बेठा है और बारिश का इंतजार कर रहा है, यदि किसानों को फिर से बोवनी करना पड़ी तो किसानों पर आर्थिक बोझ और बड़ जाएगा। व इस कोरोना काल में आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण महंगा बीज खरीदना पड़ेगा, जिसके कारण किसानों की माली हालत और भी खराब हो जाएगी।

पानी के लिए संघर्षः

ग्राम पंचायत की नल-जल व्यवस्था बिगड़ी, ढ़ाई करोड़ की योजना से भी नही मिल रहा स्वच्छ पानी

माही की गूंज, बामनिया। गौरव भंडारी

सरकार आमजन की सुविधाओं के लिए चाहे कितने भी जतन कर ले, अगर जमीनी स्तर पर व्यवस्था ठीक नही हो तो सरकार की करोड़ो की योजना भी धूल चाटती नजर आती है। ऐसा ही कुछ ग्राम पंचायत बामनिया में देखने को मिल रहा है, जहां सरकार ने ग्राम के पेयजल संकट से निपटने के लिए पांच वर्ष पहले ढाई करोड़ की योजना स्वीकृत की थी। लेकिन वर्तमान तक न तो पीएचई और न ही ग्राम पंचायत ये कह सकती हैं कि, शासन की योजना पूर्ण रूप से धरातल पर उतर गई है, जबकि सरकार के आंकड़े में बामनिया का पेयजल संकट समाप्त हो चुका है।

नहीं मिल रहा समय से पानी

ढाई करोड़ की योजना का कार्य शुरू होने पर आमजन को यकीन था कि, उन्हें रोज नल या फिर हफ्ते में तीन से चार बार नलों से पानी मिल पाएगा, लेकिन अव्यवस्था का शिकार हुई योजना के कारण ग्रामवासियों को पानी नही मिल पा रहा है। हर 8 से 10 दिन में पंचायत की व्यवस्था गड़बड़ा जाती है और 15 से 20 दिनो तक लोगो को पानी के लिए संघर्ष करना पड़ता है। बीते एक माह में मुख्य मार्ग, प्रिंस प्रशांत मार्ग पर ये ही स्थिति बनी हुई है, यहां विगत एक माह में लोगो को नल से जल तीन से चार बार ही मिल पाया हैं अभी विगत दस दिनों से इस मार्ग के निवासी पानी के लिए अन्य स्त्रोतों के भरोसे है और पानी खरीद कर काम चलना पड़ता है। कुछ ऐसा ही हाल चित्तोरुंडी, मेला ग्राउंड की भी जहाँ अल सुबह से निजी होल जो कि, लोगो की फ्री में सेवा कर पानी दे रहे है वहां भीड़ देखी जा सकती है। यहां से छोटे-छोटे मासूम बच्चे अपने सर पर भारी वजन उठाकर पानी ले जाने पर मजबूर हैं। अब करोड़ो की योजना किस काम की जो मासूमो के सर का बोझ भी कम न कर सके।

फिल्टर प्लांट से नहीं मिल रहा« पीने का पानी

कहने को तो नल जल योजना में पानी का फिल्टर प्लांट लगा हुआ है, जिसका कार्य लाड़की बैराज से आने वाले पानी को फिल्टर कर पीने योग्य बनाकर सप्लाई करना था। लेकिन प्लांट लगने के बाद से ही फिल्टर प्लांट ने एक बार भी पीने योग्य पानी नही दिया। नलों से आने वाला पानी मटमैला और बदबूदार होने के कारण कोई इसे पीने के उपयोग में नही लेता है, जिससे ग्रामवासियों को पीने के पानी की भारी किल्लत उठानी पड़ती है और निजी खर्चे से टैंकरों के माध्यम से पानी खरीदने पर मजबूर होना पड़ता है। ग्राम में हैडपम्प की स्थिति ठीक नही है ज्यादातर हैंडपंप बन्द या खराब ही पड़े हैं, जिससे निचली बस्तियों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है जो लोग मजबूरी में नलों से मिल रहे पानी को पी रहे हैं, जिस कारण वहां बीमारियों का प्रकोप बढ़ना तय है।

नई पाइप लाइन अभी भी नहीं हो सकी शुरू, न ही होने की संभावना

कहने को तो पूरे ग्राम में नल-जल योजना के माध्यम से नई पाइप लाइन बिछाई गई लेकिन बिना योजना के ठेकेदार द्वारा मनमाने ठंग से लाइन डाल दी गई, वही ग्राम पंचायत ने भी इस और ध्यान नही दिया, जिसके चलते ग्राम के कई वार्डो में नई पाइप लाइन से पानी का सप्लाई शुरू नही हुआ है और न ही होने की संभावना है। वही ग्राम में कई वार्डो में ग्राम पंचायत को पाइप लाइन अलग से बिछानी पड़ी, ऐसे में ढाई करोड़ की योजना केवल सरकारी आंकड़े की शोभा बढ़ाने के अलावा कुछ नही कर रही है।

पूर्व उपसरपंच अजय जैन का आरोप है कि, हमारे कार्यकाल में स्वीकृत हुई योजना को वर्तमान पंचायत और पीएचई विभाग मिलकर भी ठेकेदार से योजना व्यवस्थित जमीन पर नही उतार सके ओर उसी के चलते आज इतनी बड़ी योजना के बाद भी ग्राम की जनता को पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

संपादकीय

सरकार की छवि सुधारने को नेतृत्व परिवर्तन

उत्तराखंड के पिछले विधानसभा चुनाव में भारी जीत दर्ज करने वाली भाजपा को चार माह में यदि दो मुख्यमंत्री बदलने पड़े तो जाहिर है कि, पार्टी में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है। राज्य बनने के दो दशक के दौरान यदि ग्यारहवें मुख्यमंत्री को शपथ दिलाई गई तो यह राजनीतिक अस्थिरता का ही पर्याय है। पिछले चुनाव में जनता ने 57 सीटें देकर पार्टी में पूरा विश्वास जताया था, लेकिन पार्टी में कोई ऐसा चेहरा नजर नहीं आया जो पूरे पांच वर्ष तक राज्य को कुशल नेतृत्व दे सकता। हालांकि, राज्य में तीरथ सिंह रावत के इस्तीफे की वजह जनप्रतिनिधित्व कानून 1951 की धारा 151 के चलते उत्पन्न संवैधानिक संकट को बताया जा रहा है, लेकिन राजनीतिक पंडित बता रहे हैं कि, इसके मूल में पार्टी का असंतोष ही है। बताते हैं कि, पार्टी के अंदरूनी सर्वेक्षण में यह बात सामने आई थी कि तीरथ सिंह रावत 2022 में होने वाले चुनाव में पार्टी के खेवनहार साबित नहीं हो सकते। यही वजह है कि, कुल 114 दिन के कार्यकाल के बाद तीरथ सिंह रावत ने बीते शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया। वैसे भी रावत अपने विवादित बयानों के कारण खासे सुर्खियों में रहे। महिलाओं की फटी जीन्स पर की गई उनकी टिप्पणी की खासी आलोचना हुई। फिर भारत के अमेरिका के अधीन रहने के बयान पर पार्टी की किरकिरी हुई। कुंभ मेले के आयोजन व कोरोना संकट पर उनके विवादित बयान सुर्खियां बनते रहे। सवाल यह है कि, ग्याहरवें मुख्यमंत्री बनने वाले युवा पुष्कर सिंह धामी पार्टी की साख को संवारते हुए आसन्न विधानसभा चुनाव में पार्टी की नैया पार लगा पाएंगे? उन्हें पार्टी की छवि संवारनी है और खुद को भी साबित करना है। उनके पास किसी मंत्री पद का अनुभव भी नहीं है। साथ ही पार्टी के दिग्गज नेताओं को साथ लेकर भी चलना है जो उनके मुख्यमंत्री बनने की घोषणा के बाद तेवर दिखा रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के ओएसडी रहे धामी भारतीय जनता युवा मोर्चे के प्रदेशाध्यक्ष व विद्यार्थी परिषद के विभिन्न पदों पर रहे हैं।

बहरहाल, राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के संकट ने उत्तराखंड में विपक्षी कांग्रेस को हमलावर होने का मौका दे दिया है। कांग्रेसी कह रहे हैं कि, राज्य में डबल इंजन वाली सरकार का फायदा राज्य की जनता को नहीं मिला और पार्टी अपने चुनावी वादे पूरे नहीं कर पाई है। नि:संदेह, जब राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए कुछ ही महीने बाकी हैं, पुष्कर सिंह धामी के लिए कई चुनौतियां सामने खड़ी हैं। कुछ लोग कह रहे हैं कि, धामी को मुख्यमंत्री के रूप में कांटों का ताज मिला है। राज्य में भाजपा सरकार के कामकाज पर कई प्रश्नचिन्ह हैं। जहां उन्हें एक ओर पार्टी के असंतुष्टों को साथ लेकर चलना है, वहीं सरकार की छवि सुधारनी है ताकि 2022 के समर में वे जनता से अधिकार से वोट मांग सकें। उनके पास समय कम है और काम ज्यादा है। भाजपा की कोशिश है कि, उत्तर प्रदेश के साथ ही उत्तराखंड में भी फिर से उसकी सरकार लौटे। उत्तर प्रदेश में हालिया जिला पंचायत चुनावों के परिणामों से जहां भाजपा उत्साहित है, वहीं उत्तराखंड की स्थिति उसकी चिंता बढ़ाने वाली है। मौजूदा बदलाव उसी चिंता का परिचायक है। दरअसल, पार्टी की दिक्कत यह है कि, पश्चिम बंगाल की तरह उसके पास उत्तराखंड में कोई सर्वमान्य चेहरा नहीं है; जिसके चलते असंतोष के सुर उभरते हैं, जिसका समाधान पार्टी नेतृत्व परिवर्तन के रूप में देखती है। कमोबेश यही स्थिति कांग्रेस की भी रही है, जिसने 2013 की केदारनाथ आपदा में सरकार की नाकामयाबी के बाद मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा को बदलकर हरीश रावत को सरकार की बागडोर सौंपी थी। बहरहाल, आने वाला वक्त बताएगा कि, राज्य में नेतृत्व परिवर्तन पार्टी के भविष्य के लिए कितना कारगर साबित होता है। चुनाव में भाजपा के लिए परंपरागत विरोधी पार्टी कांग्रेस तो मौजूद है, लेकिन इस बार राज्य में आम आदमी पार्टी की चुनौती का भी उसे सामना करना पड़ेगा क्योंकि आप ने जमीनी स्तर पर काम करना शुरू कर दिया है।

कोरोना काल में अदालत

कोविड-19 के दौरान देश की अदालतों में प्रत्यक्ष रूप से मुकदमों की सुनवाई लगभग बंद है। अदालतें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आवश्यक मुकदमों की सुनवाई कर रही हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई की व्यवस्था का यह लाभ है कि, अदालत परिसर में अपने मुकदमे का इंतजार करने की बजाए वकील अपने चैंबर, घर, कार्यालय या किसी अन्य उचित स्थान से बहस कर सकते हैं।

इस दौरान वकीलों से अपेक्षा की जाती है कि, वे अधिवक्ता कानून में प्रदत्त ड्रेस कोड और शिष्टाचार का पालन करेंगे। लेकिन अक्सर यह देखा गया है कि, वकीलों में पेशेगत गरिमा बनाए रखने, ड्रेस कोड का पालन करने और शिष्टाचार में चूक हो रही है। ऐसा करने वालों में डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी जैसे वरिष्ठ अधिवक्ता भी शामिल हैं।

यही वजह है कि, उच्चतम न्यायालय से लेकर निचली अदालत तक के पीठासीन न्यायाधीशों को अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए ऐसा आचरण करने वाले वकीलों को फटकार ही नहीं लगानी पड़ी है बल्कि उन पर जुर्माना भी किया है।

महामारी काल में न्यायपालिका ने वकीलों को ड्रेस कोड में मामूली-सी रियायत प्रदान की थी। न्यायपालिका को अपेक्षा थी कि, वकील मुकदमों में पेश होते वक्त अपने पेशे के अनुरूप गरिमामय परिधान में होंगे और शिष्टाचार का ध्यान रखेंगे। लेकिन कुछ वकील न तो गरिमामय पोशाक में होते हैं और न ही वे अदालत के सम्मान के अनुरूप आचरण कर रहे होते हैं। वकीलों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि, वे यह सुनिश्चित करेंगे कि न्यायालय की कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार का शोरगुल या व्यवधान नहीं हो। लेकिन कई मामलों में ऐसा नहीं हुआ क्योंकि वकील सड़क के किनारे, पार्क में या फिर सीढ़ियां चढ़ते हुए अथवा स्कूटर पर यात्रा करते हुए ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बहस करते नजर आए।

उच्चतम न्यायालय ने लॉकडाउन से उत्पन्न स्थिति की गंभीरता को देखते हुए 13 मई, 2020 को वकीलों के लिए ड्रेस कोड में कुछ राहत प्रदान की थी। न्यायालय ने वकीलों को काला गाउन नहीं पहनने की छूट दी थी लेकिन उनके लिए अगले आदेश तक या मौजूदा चिकित्सा अनिवार्यता रहने तक सफेद शर्ट-सलवार-कमीज-सफेद साड़ी पहने और गले में वकीलों का सफेद बैंड बांधना अनिवार्य था। इस राहत का तात्पर्य यह नहीं था कि, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई के दौरान न्यायाधीश के समक्ष पेश होते वक्त वकील रंग-बिरंगे कपड़े पहने होंगे या फिर कार में सिगरेट पीते हुए या स्कूटर की पिछली सीट पर बैठ कर बहस करेंगे। अधिवक्ता कानून, 1961 की धारा 49 (1) (जीजी) के तहत बने नियम वकीलों (नामित वरिष्ठ अधिवक्ता या अन्य अधिवक्ताओं) के लिए ड्रेस कोड निर्धारित करते हैं। इस ड्रेस कोड के अंतर्गत वकीलों के लिए सफेद शर्ट पहनना और सफेद नेक बैंड बांधना अनिवार्य है।

लेकिन, देखा जा रहा है कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुकदमों की सुनवाई में शामिल होने वाले वकील उचित परिधान में नहीं होते। स्थिति का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि, कैमरे की स्थिति बदलने की वजह से एक वरिष्ठ अधिवक्ता सफेद शर्ट के साथ पैंट की बजाय नेकर पहने हुए कुर्सी पर बैठे नजर आए। कई बार वकील रंगीन कपड़े पहने हैं, या फिर सिर्फ बनियान ही पहने हैं या बिस्तर में हैं। चूंकि कैमरा झूठ नहीं बोलता है और इसी वजह से यह नजारे न्यायाधीशों की नजर में आ गए जिस पर उन्होंने कड़ी आपत्ति की और ऐसा आचरण करने वाले वकीलों को फटकार भी लगाई।

इस तरह का अजीब मामला पिछले वर्ष उच्चतम न्यायालय में भी न्यायाधीशों के सामने आ गया था, जिसमें संबंधित वकील टी-शर्ट पहनकर कार्रवाई में शामिल हुए थे। न्यायालय को उस वकील का यह आचरण नागवार लगा और उसने उन्हें इस आचरण के लिए कड़ी फटकार लगाते हुए कहा था कि, वर्चुअल सुनवाई में भी कम से कम शिष्टाचार बनाए रखें। राजस्थान उच्च न्यायालय में तो एक वकील बनियान पहन कर ही पेश हो गए थे जिस पर पीठासीन न्यायाधीश ने नाराजगी व्यक्त की थी।

अनुप भटनागर

यही स्थिति उड़ीसा उच्च न्यायालय में देखने में आई जहां एक वकील बहस के समय अपना नेक बैंड नहीं बांधे थे। इसका परिणाम यह हुआ कि, अदालत ने उन पर 500 रुपए का जुर्माना लगाया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भी बार को ऐसे असावधानी नहीं बरतने की हिदायत दी और कहा कि, एक मामले में वर्चुअल सुनवाई के दौरान एक वकील की कार में पीछे एक अन्य व्यक्ति भी बैठा हुआ था। इस तरह का आचरण अदालती कार्रवाई का अनादर है।

न्यायपालिका इस समय बहुत ही विषम परिस्थितियों में अदालती कामकाज निपटा रही है। ऐसी स्थिति में न्यायपालिका का ही अभिन्न अंग बार के सदस्य वकीलों से अपेक्षा की जाती है कि वे महामारी के इस दौर में स्थिति की गंभीरता को समझेंगे और सुचारु ढंग से अदालतों की वर्चुअल कार्रवाई के संचालन में सहयोग करेंगे।

वोट की फसल

सिद्धार्थ शंकर

जिला पंचायत चुनाव को उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा था। जिसमें सदस्य संख्या में पिछड़ने के बाद जिलों पर भाजपा का दबदबा बन गया। इस लिहाज से यह नहीं कहा जा सकता कि, जीता कौन। क्योंकि सपा और भाजपा दोनों ने ही दमदारी से खेल दिखाया है। अब अगले वर्ष फाइनल कौन जीतेगा, यह पता चलने में समय है, लेकिन टीम तैयार करने की कवायद अभी से शुरू हो गई है। भाजपा की तैयारी पूरी है। अगर कुछ बड़ा नहीं हुआ तो पार्टी योगी आदित्यनाथ के चेहरे पर चुनाव में जाएगी। वहीं विपक्षी खेमा अपनी टीम को धार देने में जुटा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह से मुलाकात कर चुके हैं। असदुद्दीन ओवैसी के साथ ओमप्रकाश राजभर की लगातार बैठकें हो रही हैं। पश्चिम बंगाल में ममता की पार्टी टीएमसी (तृणमूल कांग्रेस) उत्तर प्रदेश में अपने संगठन को मजबूत कर रही है। इसके साथ ही निषाद पार्टी समेत बिहार में अति पिछड़ों की विकासशील इंसान पार्टी भी उत्तर प्रदेश में इस समुदाय की राजनीति करने वालों के लिए थोड़ी असहजता पैदा कर रही है। कुल मिलाकर राज्य में इस तरह की राजनीतिक उठापटक इस बात का संकेत है कि, आने वाले विधानसभा के चुनाव बहुत दिलचस्प होने वाले हैं। यूपी में भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए आस-पास के राज्यों की पार्टियों ने अपनी जड़ों को जमाने के लिए पूरी ताकत लगानी शुरू कर दी है। कुल मिलाकर कोशिश यही है कि, इस बार कैसे भी कर के भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से हटाया जाए। इसके लिए कई दलों ने एक साथ मिलकर गठबंधन की घोषणा भी कर दी है।

उत्तर प्रदेश की प्रमुख विपक्षी पार्टी समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं की जो मुलाकातें हो रही हैं उससे यहां नए गठबंधन के रास्ते खुलने की संभावनाएं नजर आ रही हैं। दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात नहीं थी इसलिए कयास लगाए जा रहे हैं कि, मामला गठबंधन की राह पर चल निकला है। हालांकि आप सांसद संजय सिंह ने इस मुलाकात को महज आपसी सौहार्द की मुलाकात तक रखने की बात की है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसके अलग मायने निकाले जाने लगे हैं।

कहा जा रहा है कि, जिस तरह सपा और आप, ममता बनर्जी की टीएमसी के साथ खड़े होते हैं उससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि, टीएमसी भी इस गठबंधन में शामिल हो सकती है। विश्लेषकों के मुताबिक तीनों का गठबंधन यूपी की मुस्लिम बाहुल्य आबादी को बहुत बेहतर तरीके से साथ जोड़ने की ताकत रखता है। छोटे-छोटे राजनीतिक दलों के आपस में गठबंधन के साथ प्रदेश की बड़ी राजनीतिक पार्टियां पूरी तरह अकेले ही चुनाव लड़ने के मूड में हैं। कांग्रेस ने जिस तरीके से राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी को मैदान में उतारा है उससे इस बात का अंदाजा लगाया जा रहा है कि, वह आक्रामक रूप से ही चुनावी तैयारियों में जुटी हुई है। चूंकि कुछ अहम दलों की राजनीतिक बिसात बिछ चुकी है लेकिन उसमें कांग्रेस की कोई संभावना नहीं दिख रही। बसपा ने एलान कर दिया है कि, वह कोई गठबंधन नहीं करेगी तो, कांग्रेस उससे भी नहीं जुड़ सकती। सपा और कांग्रेस का पिछला अनुभव कुछ अच्छा नहीं रहा इसलिए इसकी संभावना भी न के बराबर ही है। इस बार भी उत्तर प्रदेश में जातिगत वोटों के आधार पर ज्यादा बंटवारे की संभावनाएं नजर आ रही हैं। यही वजह है कि, ज्यादा से ज्यादा छोटे-छोटे समुदायों में अपनी पकड़ रखने वाली राजनीतिक पार्टियां इस बार प्रमुख दलों के साथ मिलकर चुनाव की रंगत को बदलना चाहती हैं।

बिटकॉइन के खतरे और प्रतिबंध की तार्किकता

डॉ. भरत झुनझुनवाला
आर्थिक विशलेषक

किसी समय इंग्लैंड में एक अमीर थे रॉत्सचाइल्ड। इनकी कई देशों में व्यापारिक शाखाएं थी। यदि किसी व्यक्ति को एक देश से दूसरे देश में रकम पहुंचानी होती थी तो वह ट्रांसफर रॉत्सचाइल्ड के माध्यम से सुरक्षापूर्वक हो जाता था। जैसे मान लीजिए आपको दिल्ली से मुम्बई रकम पहुंचानी है। आपने रॉत्सचाइल्ड के दिल्ली दफ्तर में एक लाख चांदी के सिक्के जमा करा दिए। उन्होंने आपको एक लाख सिक्कों की रसीद दे दी। आप मुंबई गए और रॉत्सचाइल्ड के मुंबई दफ्तर में वह रसीद देकर आपने एक लाख सिक्के प्राप्त कर लिए। इतने सिक्कों को लेकर जाने के झंझट से आप मुक्त हो गए। समय क्रम में रॉत्सचाइल्ड ने देखा कि, उनके लिखे हुए प्रॉमिसरी नोट या रसीद पर लोगों को अपार विश्वास है। उन्होंने स्वयं ही प्रॉमिसरी नोट बनाए और मिली रकम से अपना व्यापार बढ़ाया।

जैसे मान लीजिए उन्हें कोई मकान खरीदना था। उन्होंने एक करोड़ सिक्कों का प्रॉमिसरी नोट लिख दिया और मकान के विक्रेता ने उस रसीद को सच्चा मानकर उन्हें मकान बेच दिया। रॉत्सचाइल्ड द्वारा जारी की गई यह रसीदें अथवा प्रॉमिसरी नोट ही आगे चलकर नकद नोट के रूप में प्रचलित हुए। समय क्रम में सरकारों ने अथवा उनके केंद्रीय बैंकों ने इसी प्रकार के प्रॉमिसरी नोट छापना एवं जारी करना शुरू कर दिया। इन्हीं नोट को नकद नोट कहा जाता है। आप देखेंगे कि, रिज़र्व बैंक द्वारा जारी नोट पर लिखा रहता है, 'मैं धारक को एक सौ रुपये अदा करने का वचन देता हूं।' ऐसा ही वचन रॉत्सचाइल्ड ने दिया था, जिससे कि नकद मुद्रा का चलन शुरू हो गया। जाहिर है कि, नोट का प्रचलन इस बात पर टिका हुआ है कि उसे जारी करने वाले पर समाज को विश्वास है अथवा नहीं। इसी विश्वास के आधार पर बिटकॉइन एवं अन्य क्रिप्टोकरंसी का आविष्कार हुआ है।

ऐसा समझें कि, सौ कम्प्यूटर इंजीनियर एक हॉल में बैठे हैं और उन्होंने एक सुडोकू पहेली को आपस में हल करने की प्रतिस्पर्धा की। जिस इंजीनियर ने उस पहेली को सर्वप्रथम हल कर दिया, उसके हल की अन्य इंजीनियरों ने जांच की, और सही पाने पर उन्हें एक बिटकॉइन इनाम स्वरूप दे दिया। इन इंजीनियरों ने आपसी लेन-देन इन बिटकॉइन में करना शुरू कर दिया। एक इंजीनियर को दूसरे से कार खरीदनी हो तो उसका पेमेंट दूसरे को बिटकॉइन से कर दिया। यह संभव हुआ चूंकि दोनों इंजीनियरों को उस बिटकॉइन पर भरोसा था।

अब इस बिटकॉइन की विश्वसनीयता सिर्फ उन सौ कंप्यूटर इंजीनियरों के बीच है, जिन्होंने उस खेल में भाग लिया था। समय क्रम में ये सौ कम्प्यूटर इंजीनियर बढ़कर दस लाख हो गए या एक करोड़ हो गए और तमाम लोगों को इस प्रकार के बिटकॉइन पर विश्वास हो गया, बिल्कुल उसी तरह जैसे रॉत्सचाइल्ड द्वारा जारी किए गए प्रॉमिसरी नोट पर जनता को विश्वास हो गया था।

आज विश्व में इस प्रकार की तमाम क्रिप्टोकरंसी हैं। बिटकॉइन को एक करोड़ कंप्यूटर इंजीनियर मान्यता देते हैं तो एथेरियम को मान लीजिए पचास लाख कंप्यूटर इंजीनियर मान्यता देते हैं। जितनी मान्यता है, उतना ही प्रचलन है। इस प्रकार तमाम लोगों ने अपनी-अपनी क्रिप्टोकरंसी बना रखी है। आज विश्व में लगभग पंद्रह सौ अलग-अलग क्रिप्टोकरंसी चालू है। मूल बात यह है कि, बिटकॉइन की विश्वसनीयता इस बात पर टिकी हुई है कि भारी संख्या में लोग इसे मान्यता देते हैं। जबकि इसके आधार में कुछ भी नहीं है। रॉत्सचाइल्ड अथवा रिज़र्व बैंक ने प्रॉमिसरी नोट का भुगतान नहीं किया तो आप उनके घर-दफ्तर पर धरना दे सकते थे। लेकिन बिटकॉइन का कोई घर नहीं है। ये एक करोड़ कंप्यूटर इंजीनियर अलग देशों में रहते हैं और इन्होंने कोई लिखित करार नहीं किया है।

बिटकॉइन में तमाम समस्याएं दिखने लगी हैं। सबसे बड़ी समस्या यह है कि, आज बिटकॉइन बनाने की बड़ी फैक्टरियां लग गई हैं। सुडोकू की पहेलियां इतनी जटिल हो गई हैं कि इन्हें हल करना मनुष्य की क्षमता के बाहर हो गया है। उद्यमियों ने बड़े कंप्यूटर लगा रखे हैं जो इन पहेलियों को हल करते हैं और जब इनका हल हो जाता है तो उन्हें बिटकॉइन का समाज एक बिटकॉइन दे देता है। जिस प्रकार आप दुकान में कंप्यूटर लगाने में निवेश करते हैं, उसी प्रकार ये उद्यमी बिटकॉइन की पहेलियां हल करने के लिए कंप्यूटर लगाने में निवेश करते हैं और बिटकॉइन कमाते हैं। यह प्रक्रिया पूर्णतया पर्यावरण के विरुद्ध है। बड़ी-बड़ी फैक्टरियों में भारी मात्रा में बिजली खर्च होती है, जिससे ये कंप्यूटर चलाएं जाते हैं और इससे किसी प्रकार का जनहित हासिल नहीं होता।

दूसरी समस्या अपराध की है। बीते समय में अमेरिका की कॉलोनियल आयल कंपनी के कंप्यूटरों को हैक कर लिया गया। हैकर्स ने कॉलोनियल आयल कंपनी को सूचना दी कि वे अमुख रकम बिटकॉइन के रूप में उन्हें पेमेंट करें तब वे उनके कंप्यूटर से जो मॉलवेयर यानी कि, जो उसमें अवरोध पैदा किया गया था, उसको हटा देंगे। कॉलोनियल ऑयल कंपनी ने उन्हें लगभग पैंतीस करोड़ रुपए का मुआवजा बिटकॉइन के रूप में दिया, जिससे कि उनके कंप्यूटर पुनः चालू हो जाएं। इस प्रकार बिटकॉइन जैसी करंसी आज अपराध को बढ़ावा दे रही है क्योंकि इनके ऊपर किसी सरकार का सीधा नियंत्रण नहीं है। बिटकॉइन बनाने वाली फैक्टरी या उसका उद्यमी रूस में है, चीन में है, भारत में है या इंडोनेशिया में, इसकी कोई जांच नहीं होती क्योंकि सारा लेन-देन इंटरनेट पर होता है। इस प्रकार आज अपराधियों द्वारा वसूली बिटकॉइन के माध्यम से की जा रही है।

तीसरी समस्या रिस्क की है। बिटकॉइन हाथ का लिखा हुआ या प्रिंटिंग प्रेस का छपा हुआ नोट नहीं होता। यह केवल एक विशाल नंबर होता है जो कि किसी कंप्यूटर में सुरक्षित रखा जाता है। ऐसे भी वाकये हुए हैं कि, किसी व्यक्ति का कंप्यूटर क्रैश कर गया और उसमें रखा हुआ बिटकॉइन का नंबर पूर्णतया पहुंच के बाहर हो गया। उन्हें उस बिटकॉइन का घाटा लग गया। इसलिए बिटकॉइन का लाभ शून्य है और हानि पर्यावरण, अपराध और रिस्क तीनों की है।

इन्हीं समस्याओं को देखते हुए रिजर्व बैंक ने दो वर्ष पहले अपने देश में बिटकॉइन पर प्रतिबंध लगा दिया था। बीते वर्ष 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने रिजर्व बैंक के उस प्रतिबंध को गैर कानूनी घोषित कर दिया। इसलिए वर्तमान में देश में बिटकॉइन का व्यापार कानूनी ढंग से किया जा सकता है। लेकिन सरकार को नया कानून लाकर इसे प्रतिबंधित करने पर विचार करना चाहिए एवं सुप्रीम कोर्ट को इसके नुकसानों को समझना चाहिए, जिससे यह हानिप्रद व्यवस्था समाप्त की जा सके।

पुलिया निर्माण बंद कर देने से आ रही दिक्कतें, मिट्टी डालकर किया रास्ता बंद, लोग हो रहे परेशान

पिछले साल वर्षाकाल में क्षतिग्रस्त हुई थी पुलिया, तभी से निर्माण की उठ रही थी मांग

पुलिये के बीचो- बिच मिट्टी डाल देनें से आ रही है दिक्कतें।

माही की गूंज, झाबुआ।

शहर के वार्ड क्रमांक 9 कुरैशी कंपाउंड में पुरानी पुलिया पिछले वर्ष क्षतिग्रस्त हो गई थी। तभी से लोगों की मांग थी कि नई पुलिया का निर्माण करवाया जाए। ताकि लोगों को राहत मिल सके। पिछले दिनों निर्माण कार्य शुरु किया गया, लेकिन संबंधित ठेकेदार ने पुलिया पर मिट्टी डालकर काम ही बंद कर दिया। अब आने-जाने वालों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि एक वर्ष बाद काम शुरु हुआ था। लेकिन मिट्टी डालनें के बाद निर्माण कार्य बंद कर दिया गया। अब लोगों को घुमकर आना-जाना पड़ रहा है। जबकि पुलिया निर्माण की मांग कई बार की जा चुकी है।

कुरैशी कंपाउंड नाले पर बनी पुलिया पिछले वर्ष बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त हो गई थी। पुरानी पुलिया होने के कारण पुलिया पहले से ही जरजर बनी हुई थी। एक वर्ष बीत जाने के बाद पिछले माह ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया। निर्माण कार्य के लिए मिट्टी पुलिये के बीचों-बीच डाल दी गई। अब आने-जाने वाले लोगों को दिक्कतें उठानी पड़ती है। लोगों को उम्मीद थी कि पुलिया निर्माण होने से समस्या हल हो जाएगी लेकिन निर्माण कार्य कई दिनों से बंद पड़ा है।

पुराने समय की है पुलिया

कुरैशी कंपाउंड की ये पुलिया पुराने समय की बनी हुई है। पछिले वर्ष बारिश के समय पुलिया का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। क्षतिग्रस्त पुलिये को मिट्टी डालकर भर दिया था। फिर पुलिये पर आवागमन चलता रहा। पिछले माह पुलिया निर्माण को लेकर ठेकेदार को ठेका दिया गया था।

ठेकेदार ने निर्माण कार्य प्रारंभ करने के लिए यहां मिट्टी डाल दी गई। मिटटी पुलिये के बीचों-बीच डाल देने से आवागमन बंद हो गया। अब यहां से पैदल आना जाना नहीं हो पा रहा है। वाहनचालकों को बजार से घुमकर आना जाना करना पड़ रहा है जिसे उन्हें दिक्कतें उठानी पड़ रही है।

शीघ्र हो निर्माण

- नागरिक संदीप वास्केल का कहना है कि कई बार मांग करने के बाद निर्माण कार्य शुरु किया गया था। ठेकेदार ने मिट्टी भी यहां डाल रखी है। निर्माण कार्य शुरु करतें ही बंद कर दिया गया। अब परेशानी लोगों को उठानी पड़ रही है। नगरपालिका को चाहिए कि बिना देरी करे निर्माण कार्य शुरु हो ताकि यह समस्या हल हो सके।

- नागरिक संदन परमार का कहना है कि बार- बार मांग करने के बाद भी निर्माण कार्य नहीं हो पा रहा है। ऐसे में लोगों की परेशानी अब और भी बढ़ गई है। क्योंकि रास्ता ही बंद कर दिया गया है। प्रशासन को चाहिए कि तत्काल इस और ध्यान दें ताकि लोगों को राहत मिल सके।

चर्चा करेंगे

नगरपालिका सीएमओ एलएस डोडिया का कहना है कि संबंधित ठेकेदार से चर्चा की जाएगी।

खाद की किल्लत से किसानों के साथ सोसायटी संचालक भी परेशान

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले में खाद की किल्लत के कारण किसानों के साथ सोसायटियों के संचालक भी परेशान हैं। 15 दिनों से डीएपी और एनपीके खाद की आवक नहीं हुई है। इससे पहले खाद के लिए जिलेभर की अधिकांश सोसायटियों ने मंदसौर विपणन कार्यालय, गोदाम और शामगढ़ में स्थित वेयर हाउस में करोड़ों रुपए के रिलीज आर्डर (आरओ) दिए हुए हैं। खाद समय पर नहीं मिलने से सोसायटियों को जमा आरओ की राशि पर ब्याज लग रहा है। ऐसे में समय पर खाद नहीं मिलने के कारण चार से पांच सोसायटियों ने आरओ वापस ले लिए हैं।

सोसायटियों के संचालकों का कहना है कि, खाद के लिए आरओ और डीडी विपणन कार्यालय में जमा करवाते हैं। जबकि विपणन अधिकारी का कहना है कि, आरओ हमारे पास नहीं आते, आरओ ट्रांसपोर्टर के पास आते हैं।

जिले में 3 लाख 29 हजार हेक्टेयर भूमि पर खरीफकी बोवनी का लक्ष्?य है। लगभग 40 प्रतिशत क्षेत्र में बोवनी हो चुकी है। बोवनी के साथ ही किसानों को खाद की जरूरत है, लेकिन जिले में सरकारी स्तर पर खाद किसानों को नहीं मिल रहा है। सोसायटियों में खाद के लिए किसान रोज चक्कर लगा रहे हैं। अभी सबसे ज्यादा मांग डीएपी और एनपीके खाद की है, लेकिन सोसायटियों में ये दोनों खाद किसानों को नहीं मिल रही है। समय पर खाद नहीं मिला तो किसानों की परेशानी बढ़ जाएगी। वहीं सोसायटी के संचालक भी खाद नहीं मिलने से परेशान हैं।

मल्हारगढ़ क्षेत्र की 16 सोसायटियों में 10 से अधिक सोसायटियों में खाद नहीं है। मंदसौर, शामगढ़, गरोठ, भानपुरा, सीतामऊ, सुवासरा क्षेत्र की सोसायटियों में भी डीएपी और एनपीके खाद की किल्लत बनी हुई है। सोसायटियों के संचालकों के अनुसार उन्होंने 15 दिन पहले ही आरओ यानि खाद की मांग मंदसौर विपणन कार्यालय व शामगढ़ में भेज रखी है, लेकिन जिले में खाद नहीं आने से दिक्कतें बढ़ रही हैं। अधिकारी हर दिन रेक लगने की बात कह रहे हैं।

शामगढ़ विपणन गोदाम प्रभारी मनोहर आर्य ने बताया कि, खाद नहीं आ रहा है इसके कारण दिक्कतें बढ़ रही हैं। डीएपी खाद नहीं मिलने के कारण शामगढ़ एवं खेजड़िया सोसायटी ने आरओ वापस ले लिए है। इधर मंदसौर विपणन गोदाम से भी साखतली सहित अन्य दो-तीन सोसायटियों ने आरओ वापस ले लिए है। जिले में सोसायटियों द्वारा करीब चार करोड़ से अधिक के आरओ जमा करवा रखे है। खाद नहीं मिलने से सोसायटियों को रुपयों का ब्याज भी लग रहा है। इसी के कारण सोसायटियां आरओ वापस ले रही हैं।

जिला विपणन अधिकारी मंदसौर जेनिफर खान ने बताया, जिले में खाद की आवक हो रही है, एक हजार मीट्रिक टन की मांग भेज रखी है। गरोठ क्षेत्र में रेक लगने वाली है, कुल लक्ष्?य का 50 प्रतिशत से अधिक खाद आ चुका है। जैसे ही खाद आता है सोसायटियों में भेजा जाता है। सोसायटियों से आरओ हम नहीं लेते है, आरओ ट्रांसपोर्टर के माध्यम से आता है, खाद भेजने के दौरान ही हम आरओ लेते है।

राज्यसभा सदस्य के दौरे पर मची रही राजनीतिक उथल-पुथल
मेरे दौरे के कोई राजनीतिक मायने नहीं- सिंधिया

माही की गूंज, मंदसौर।

सोमवार को राज्यसभा सदस्य ज्योतिरादित्य सिंधिया के शहर में रहने के दौरान राजनीतिक क्षेत्र में उथल-पुथल मची रही। भाजपा नेता व कार्यकर्ता सिंधिया के स्वागत-सत्कार में लगे रहे तो कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सिंधिया के आगमन से पहले ही काले झंडे दिखाने की तैयारी कर ली थी। पुलिस ने भी सुबह से ही लगभग 50 से अधिक कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं की धरपकड़ भी की और कुछ को सीतामऊ व कुछ को पिपलियामंडी थाने पर भेज दिया गया, फिर भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नई आबादी में सिंधिया के काफिले को काले झंडे दिखा ही दिए। इधर पुलिस ने सिंधिया के रवाना होने के बाद कांग्रेसियों को छोड़ दिया, पर कोतवाली में पकड़कर रखे तीन कांग्रेस कार्यकर्ताओं को तहसीलदार ने जेल भेजने के आदेश जारी कर दिए। इसके बाद कांग्रेस जिलाध्ययक्ष सहित कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं ने कोतवाली पहुंचकर धरना देकर जमकर नारेबाजी की। बाद में शाम को ही एसडीएम ने तीनों को जमानत पर रिहा किया, तब हंगामा थमा।

राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया रविवार रात साढ़े 9 बजे से सोमवार दोपहर 12 बजे तक शहर में ही रहे। इस दौरान वे प्रमुख नेताओं व भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यसक्ष बंशीलाल गुर्जर, विधायक यशपालसिंह सिसौदिया के घर पहुंचे, तो सांसद सुधीर गुप्ता के घर डिनर किया। इसके अलावा कांग्रेस में भी अपने समर्थक रहे भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेंद्रसिंह गौतम के घर पहुंचकर उनकी पत्नी के हालचाल पूछे। इसके अलावा श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर से लेकर भाजपा जिला कार्यालय तक उनकी कोशिश रही कि, सभी भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं से मिला जाए। अब वे अपने इस दौरे में भाजपाइयों का कितना दिल जीतने में कामयाब रहे हैं, यह तो आगे जाकर ही पता चलेगा। पर उनके आने से जहां भाजपाइयों में उत्साह था तो विरोध प्रदर्शन करने के जुनून में कांग्रेसियों में भी काफी ऊर्जा भर गई थी।

पुलिस ने कांग्रेस के विरोध को भांपते हुए सोमवार सुबह से ही कांग्रेस के पिछड़ा वर्ग विभाग जिलाध्यक्ष दीपकसिंह चौहान को पकड़कर वायडी नगर थाने बैठा दिया। इसके बाद गांधी चौराहे पर जिला कांग्रेस कार्यालय के बाहर काले गुब्बारे लेकर खड़े व नारेबाजी कर रहे म.प्र. कांग्रेस कमेटी सचिव अशोक खिंची (पिपलियामंडी), कांग्रेस नेता शामलाल जोकचंद्र, जिला पिछड़ा प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष भुपेंद्र महावर, मल्हारगढ़ जिला कांग्रेस कमेटी पूर्व महामंत्री मनोहर सोनी, मल्हारगढ़ ब्लाक कांग्रेस उपाध्यक्ष सुनिल दिवाणिया, एनएसयूआई पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश पाटीदार, आईटी सेल प्रदेश महासचिव राजेश भारती, धुंधडका ब्लाक कांग्रेस प्रवक्ता सावन मकवाना पाल्या मारु, जिला पिछड़ा प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश नाई पार्षद मंदसौर, वसीम खान, शैलेंद्र जोशी, माजीद, वर्धमान मंडल अध्यक्ष दशरथसिंह राठोर मंदसौर सहित अनेक कार्यकर्ताओं को मंदसौर पुलिस ने पकड़कर पिपलियामंडी थाने पर भेज दिया। वहां से दोपहर तीन बजे सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रिहा किया गया।

गौरतलब है कि, ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ प्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा, नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री हरदीप सिंह डंग, मंदसौर जिले के प्रभारी मंत्री राज्यवर्धन सिंह दत्तीगांव, मंत्री तुलसीराम सिलावट के अलावा कई विधायक, पूर्व विधायक सहित कई नेता मौजूद थे। सिंधिया के मालवा दौरे के कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं हालांकि, सिंधिया इस बात का खंडन कर चुके हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया कहा है कि, मेरा यहां से सदियों का रिश्ता है, हमारा यहां की जनता से दिल का रिश्ता है इसीलिए यहां पर अपने लोगों से मिलने आया हूं।

कांग्रेसियों को जेल भेजने से भड़के कार्यकर्ता

कांग्रेस के 50 से अधिक कार्यकर्ताओं को पकड़ने के बाद दोपहर में छोड़ दिया गया था। लेकिन शहर कोतवाली में लाए गए मनजीतसिंह मनी सहित तीन को धारा 151 के तहत तहसील न्यायालय में पेश किया, वहां से शाम 5 बजे जेल भेजने के आदेश जारी किए गए। इसके बाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष नवकृष्ण पाटिल, महेंद्रसिंह गुर्जर, दीपकसिंह चौहान, श्यामलाल जोकचंद सहित अनेक कार्यकर्ता शहर कोतवाली पहुंचे व धरना देकर नारेबाजी की। इसी बीच एसडीएम ने तीनों को जमानत पर रिहा करने के आदेश दे दिए तब जाकर सभी कोतवाली से हटे।

खुली नालियों से परेशान रहवासी

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)।

नगर के वार्ड क्रमांक 5 में अधूरे पड़े फर्शीकरण कार्य से रहवासियों को खासी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। वार्डवासी शाहरुख अंसारी, कालू अंसारी, बबलू अंसारी, फातिमा बाई, सिराज अंसारी, शादाब द्वारा बताया गया कि, वार्ड में फर्शीकरण का कार्य किया गया था, मगर यहां आकर कार्य रोक दिया गया। कई बार प्रशासन को अवगत कराया गया मगर कार्य अभी तक नहीं हुआ। गली की स्ट्रीट लाइट भी बंद होने से रात्रि में अंधेरा हो जाता है और उबड़-खाबड़ रास्ते होने से छोटी-मोटी दुर्घटना आए दिन होती रहती हैं। इस संबंध में पूर्व वार्ड पार्षद इरफान अंसारी ने बताया कि, मेरे कार्यकाल में पूरे वार्ड में फर्शीकरण के लिए प्रस्तावित किए गए थे। जिसके बाद ठेकेदार ने कई जगह कार्य अधूरा छोड़ दिया गया। मेरे द्वारा ठेकेदार को कई बार कहा गया व इस संबंध में कलेक्टर को भी पत्र लिखकर अवगत कराया गया है। इस संबंध में तत्कालीन मुख्य नगर परिषद अधिकारी गोविन्द पोरवाल से चर्चा की गई दो उनके द्वारा बताया गया कि, मेरी जानकारी में नहीं है, पुराना कार्य है कारण देखना पड़ेगा यह कार्य क्यों रोका गया था फिर उसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जा सकेगी।

मास्क तथा सोशल डिस्टेंसिंग के लिए प्रभावी ढंग से कार्रवाई के लिए कलेक्टर ने दिए निर्देश

माही की गूंज, रतलाम।

कोविड-19 संक्रमण पर नियंत्रण के लिए जिले में मास्क के उपयोग तथा सोशल डिस्टेंसिंग हेतु प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। मंगलवार को आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि, जिले मे कोविड-19 संबंधी प्रोटोकॉल के पालन के साथ-साथ स्वास्थ्य संस्थाओं में कोरोना लहर से निपटने की तैयारी रखी जाए। आगामी 15 जुलाई तक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर तक तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं। बैठक में पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी, वन मंडलाधिकारी डूडवे, अपर कलेक्टर जमुना भिड़े, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील पाटीदार, डॉ. इंद्रजीत बाकलवार, निगमायुक्त सोमनाथ झारिया, एसडीएम अभिषेक गहलोत, एमएल आर्य आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि, पुलिस, राजस्व तथा नगर निगम का अमला शहर में मास्क के उपयोग का कड़ाई से पालन करवाएं, ज्यादा से ज्यादा चालानी कार्रवाई की जाए। यदि कोरोना की तीसरी लहर आती है तो बड़ों के उपचार के साथ-साथ बच्चों के उपचार के नियोजित प्रबंध किए जाना है। इस संबंध में स्वास्थ्य संस्थाओं में चिल्ड्रंस वार्ड तैयार किए जाएं, साथ ही बाल चिकित्सालय में आवश्यक तैयारियां 24 घंटे काम करके पूरी की जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि किल कोरोना सर्वे पुनः आरंभ किया जाए। कॉन्ट्रैक्ट ट्रेसिंग सुनिश्चित करें कि संक्रमित व्यक्ति से संबंधित 20 से 25 व्यक्तियों को ट्रेस किया जाए। कहीं भी संक्रमित व्यक्ति के पास जाने पर तत्काल रैपिड रिस्पांस टीम स्थल पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई करें। कलेक्टर ने कहा कि, शराब की दुकानों पर भी सोशल डिस्टेंसिंग देखने को नहीं मिल रही है, जिला आबकारी अधिकारी इस संबंध में कड़ाई से कार्रवाई करें। जिस इंस्पेक्टर के क्षेत्र में शराब की दुकान पर सोशल डिस्टेंसिंग नहीं पाई जाएगी, उस इंस्पेक्टर पर कार्रवाई की जाएगी, इसके साथ ही पिकनिक स्पॉट्स पर भी भीड़ नियंत्रण के लिए कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने एसडीएम को निर्देशित किया कि, 8 जुलाई को शहर के मैरिज गार्डन संचालकों की बैठक रखी जाए जिसमें कोरोना नियंत्रण के लिए चर्चा तथा दिशा निर्देश दिए जाएंगे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि, दुकान पर ग्राहक मास्क नहीं पहने दिखे तो ग्राहक और दुकानदार दोनों पर जुर्माना लगाया जाए।

राज्य शासन की कोविड-अनुकंपा नियुक्ति योजना एवं कोविड बाल कल्याण योजना की समीक्षा भी कलेक्टर द्वारा की गई। बताया गया कि, अनुकंपा नियुक्ति योजना में 29 आवेदन आए हैं, इनमें से में 9 प्रकरणों में आदेश जारी हो चुके हैं। कलेक्टर ने जिले के सभी निर्माण विभागों को निर्देश दिए कि, अपने कार्य गति के साथ आरंभ करें ताकि जरूरतमंदों को रोजगार मिल सके। कार्यपालन यंत्री द्वारा बताया गया कि नगर निगम की त्रिपोलिया गेट तक की सड़क की जांच संबंधी प्रतिवेदन तैयार कर दिया गया है। कलेक्टर द्वारा जिले के कलालिया से रिंगनोद खुर्द तक की सड़क की जांच के लिए भी निर्देशित किया गया।

हिन्दू जागरण मंच ने जम्मू कश्मीर की घटना के विरोध में प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

धर्मांतरण और निकाह करवाने वाले दोषियों पर कार्रवाई कर देश में कानून लागू किया जाए

माही की गूंज, रतलाम/जावरा।

जम्मू कश्मीर में हिंदू सिख बालिकाओं का जबरन धर्मांतरण और निकाह करवाने वाले षड्यंत्रकारी दोषियों पर कड़ी कार्रवाई एवं जम्मू कश्मीर व पूरे देश में लव जिहाद के कानून को लागू करने की मांग को लेकर हिन्दू जागरण मंच ने विरोध प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम एसडीएम जावरा का प्रतिनिधित्व कर रहे तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। हिन्दू जागरण मंच जावरा जिलाध्यक्ष बलवन्त सिंह देवडा व महामंत्री किशन बेरागी ने बताया कि, कुछ दिन पूर्व हुई जम्मू कश्मीर में हिंदू सिख बालिकाओं का जबरन धर्म परिवर्तन व निकाह से हिंदू जागरण मंच वह पूरा हिंदू समाज बहुत ज्यादा आहत है और भविष्य को लेकर चिंतित भी है। सबसे बड़ा आश्चर्य यह है कि, इस संपूर्ण केंद्र शासित प्रदेश में इस समय राष्ट्रपति शासन लागू है, जिसका जरा सा भी भय इन जिहादी धर्मांध लोगों को नहीं है। यह जिहादी मानसिकता के लोग भारतीय संविधान एवं कानून को ताक पर रखकर पूरी घाटी में से हिंदू धर्म के लोगों को डरा-धमका कर या इस प्रकार के कृत्य करके हिंदू विहीन करना चाहते हैं। हिंदू जागरण मंच इनकी इस गलत षड्यंत्र पूर्वक सोची समझी साजिश का कड़ा विरोध करता है। पूर्व में भी इसी प्रकार के प्रकरणों से ही कश्मीरी पंडितों ने भी परेशान होकर घाटी छोड़ी दी थी और आज वे रिफ्यूजी कैंपों में जीवन गुजारने को मजबूर हैं। आज फिर वे जिहादी आतंकी लोग अपने मंसूबे पूरे करने के लिए इस प्रकार के कृत्य कर रहे हैं। जिससे बचे हुए हिंदू समाज के लोग त्रस्त होकर जम्मू कश्मीर छोड़ दें।

मंच ने मांग की है कि, इन घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने हेतु मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बनाए गए धर्म स्वतंत्र कानून को संपूर्ण भारत में तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। साथ ही उपरोक्त घटनाओं में समस्त दोषियों एवं उनके सहयोगियों पर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, जिससे जिहादी आतंकियों के मन में भारतीय कानून के प्रति डर उत्पन्न हो एवं इस प्रकार की घटनाएं पुनः घटित न हो। मंच द्वारा ज्ञापन के साथ धार जिले के बाग थाना क्षेत्र में करीब 21 दिन पूर्व घटित घटना का मौन विरोध प्रदर्शन भी किया। जिसमें सिर्फहिंदू समाज को लक्षित कर प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा झूठे केसों में हिन्दुओं की गिरफ्तारी एवं अभी तक उनकी जमानत नहीं होने देने का रोष भी शामिल था।

हिन्दू जागरण मंच मालवा प्रांत यूवा वाहिनी सह संयोजक अनिल पाटीदार, जिला युवा वाहिनी प्रमुख पवन पाटीदार, स्वालंबन प्रमुख रजनीश परमार, प्रचार-प्रसार प्रमुख दीपक साधु, संपर्क प्रमुख बबलू बैरागी, बेटी बचाओ प्रमुख अर्जून सिंह, उपाध्यक्ष बंटी सोनी, युवा वाहिनी सह प्रमुख पंकज, मनीष मौर्य, राकेश जाट, विनोद लावडिया, नागेश पडियार, हरपाल सिंह गंभीर, बंपी गंभीर सहित कई कार्यकर्ता ज्ञापन देने में उपस्थित रहे। ज्ञापन का वाचन राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित बबली गंभीर ने कीया।

पूर्व सांसद पर एफआईआर के विरोध में सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, शाजापुर।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा पर की गई एफआईआर के विरोध में एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन दिया गया। प्रदेश कांग्रेस सचिव गजेन्द्र सिसोदिया ने बताया कि, 30 जून को श्री वर्मा नसरुल्लागंज होते हुए नेमावर जा रहे थे, रास्ते मे पाड़ा गाँव के समीप सीप नदी का जो बड़ा पुल 1 वर्ष पहले क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसकी जगह 1 छोटे पुल का निर्माण हुआ था, परंतु लोकार्पण में हो रही देरी के कारण उक्त पुल को चालू नहीं किया गया था, जिसके कारण स्थानीय नागरिकों को लगभग 35 किलोमीटर घूम कर जाना पड़ रहा था। सज्जन सिंह वर्मा ने स्थानीय समस्या को देखते हुए स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर आवागमन चालू कर दिया गया था। जिससे बौखला कर मध्यप्रदेश सरकार द्वारा गोपालपुर थाना नसरुल्लागंज में एफआईआर दर्ज की गई जो सर्वथा गलत है। एफआईआर रद्द करने की मांग को लेकर शुजालपुर कांग्रेसजनों द्वारा राज्यपाल के नाम एसडीएम कार्यालय पहुंचकर नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन का वाचन ब्लॉक अध्यक्ष मंगल सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रदेश सचिव गजेन्द्र सिसोदिया, कार्यकारी जिलाध्यक्ष केदार मेवाड़ा, ब्लॉक अध्यक्ष मंगल सिंह राठौड़, पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती रचना नीरज जैन, जिला कांग्रेस प्रवक्ता हसन रज़ा कुरैशी, ब्लॉक कांग्रेस प्रवक्ता बल्ला सोनी, विष्णु शर्मा, महिपाल सिंह बैस, रईस पठान, विक्रम सिंह बाढ़पुर, देवेन्द्र परमार, गौरव परमार, संजय बरेठा, बंटी पुष्पद, शेरू राजपूत सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी शाजापुर के पूर्व अध्यक्ष रामवीर सिंह सिकरवार के नेतृत्व में ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा गया। जिसमे पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा पर की गई अनुचित एफआईआर को वापस लेने की मांग की गई व ऐसा नही होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी गई। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष रामवीर सिंह सिकरवार कार्यकारी जिला अध्यक्ष द्वय अशोक परमार, केदार मेवाड़ा, पूर्व नप अध्यक्ष रचना जैन, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष स्मिता सोलंकी, युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष जयंत सिंह सिकरवार, विधानसभा अध्यक्ष गौरव परमार, प्रदेश सचिव राजू मंसूरी, पूर्व पार्षद मनोहर जाटव, बल्ला कप्तान, अकोदिया शहर अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

अकोदिया में ज्ञापन देते हुए।

शुजालपुर में ज्ञापन देते हुए।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजनान्तर्गत जिले में 15 बच्चें लाभान्वित

माही की गूंज, अलीराजपुर। मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना अंतर्गत जिले के 15 पात्र बच्चों को इस योजना के तहत लाभान्वित किया गया है। इन बच्चों को योजनान्तर्गत शिक्षा, आर्थिक सहायता तथा खाद्य सुरक्षा की सुविधा प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रदेश में लागू की गई ''मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना के तहत जिले में अलग-अलग विकासखंडों के 15 बच्चों को उक्त योजना के तहत लाभ दिया गया है। उक्त जानकारी देते हुए डीपीओ आईसीडीएस श्रीमती शिवकली वरवडे एवं सहायक संचालक आईसीडीएस श्री विजयसिंह सोलंकी ने बताया उक्त योजनान्तर्गत 01 मार्च 2021 से 30 जून 2021 की अवधि में कोविड -19 महामारी में ऐसे बच्चे जिनके माता एवं पिता दोनों की कोविड-19 से मृत्यु हुई हो। योजना के तहत जिले में 15 बच्चों को योजना से लाभान्वित किया गया।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने ली लोक अदालत के संबंध में बैठक

माही की गूंज , पेटलावद। माननीय उच्च न्यायालय म.प्र.जबलपुर एवं श्रीमान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय के निर्देशन में 10 जुलाई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। जिस संबंध में तहसील पेटलावद के एवं रायपुरिया एवं अभिभाषक की मीटिंग ली जाकर मीटिंग में नेशनल लोक अदालत में प्री - लिटीगेशन प्रकरणों के अधिक से अधिक निराकरण के संबंध में दिशा निर्देश दिए गए । मीटिंग आयोजन के समय न्यायालय पेटलावद में जे.सी.राठौर अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति पेटलावद, संजीव कटारे व्यवहार न्यायाधीश वर्ग -1, राजेन्द्र बर्मन व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2, विनोद पुरोहित बार एसोसिएशन अध्यक्ष, अपर लोक अभियोजक/लोक अभियोजक अधिकारी, समस्त अभिभाषकगण न्यायालय पेटलावद एवं न्यायालय के समस्त तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारीगण उपस्थित थे।

सौ वर्षीय स्वतंत्रता सैनानी ने भी करवाया वैक्सीनेशन

माही की गूंज, बड़वानी। जिले में चल रहे वैक्सीनेशन महा अभियान दिनो-दिन नई उचाईयों पर पहुंचता जा रहा है, जहॉ युवा वैक्सीनेशन करवाकर आदर्श उदाहरण प्रस्तुत कर रहे है, वहीं शतायु के हो चुके लोग भी अपना वैक्सीनेशन करवाकर लोगो को अधिक से अधिक संख्या में अपना वैक्सीनेशन करवाने की प्रेरणा दे रहे है। बुधवार को शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी के टीकाकरण केन्द्र पर सौ वर्षीय स्वतंत्रता सैनानी श्री नारायणजी चैबे ने भी पहुंचकर अपना वैक्सीनेशन का दूसरा टीका लगवाया है। स्वतंत्रता सैनानी की शतायु के मददेनजर केन्द्र पर टीकाकरण कर रही सिस्टर श्रीमती सुषमा वाजपेयी ने भी केन्द्र से बाहर जाकर आटो रिक्षा में ही श्री चौबे का टीकाकरण कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया ।

आनलाईन ओलम्पिक ि़ ज प्रतियोगिता का आयोजन 15 को

माही की गूंज, झाबुआ। टोक्यो में 23 जुलाई से प्रारंभ होने वाले 32 वें ओलम्पिक खेल को लेकर देश-प्रदेश के खिलाड़ियों में उत्साह हैं। हमारे देश से ओलम्पिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों तथा ओलम्पिक खेल से संबंधित जानकारी सभी खिलाड़ियों को हो, इस उद्देश्य से खेल और युवा कल्याण विभाग मप्र के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में आनलाईन 'ओलम्पिक क्विज 2021' का आयोजन 15 जुलाई को किया जा रहा हैं।

आनलाईन ओलम्पिक क्विज प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ियों के लिय उम्र या जाति का कोई बंधन नहीं हैं, ना ही किसी प्रकार का शुल्क हैं। यह प्रतियोगिता पूर्णतः निःशुल्क आयोजित की जा रही हैं। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी को अपना पंजीयन 12 जुलाई तक कार्यालयीन समय में खेल और युवा कल्याण विभाग झाबुआ में करवाना अनिवार्य है। पंजीयन के लिए प्रतिभागी का नाम, पिता का नाम, जन्म दिनांक, आधार कार्ड नम्बर, मोबाईल नम्बर तथा ई-मेल आईडी उपलब्ध कराना होगा। पंजीयन होने के उपरान्त संबंधित प्रतिभागी के मोबाईल नम्बर पर एक लिंक भेजी जाएगी तथा आनलाईन परीक्षा की लिंक भी संबंधित मोबाईल नम्बर पर उपलब्ध कराई जाएगी। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले समस्त प्रतिभागियों को विभाग की ओर से ई-सर्टीफिकेट प्रदान किया जाएगा। आनलाईन ओलम्पिक क्विज प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी अपना पंजीयन 12 जुलाई तक कार्यालयीन समय में करवा सकते हैं।

74 दिवस का मध्यान्ह भोजन जारी किया गया

माही की गूंज, झाबुआ। मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम अंतर्गत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन के मार्गदर्शन में माह दिसम्बर, जनवरी, फरवरी का कुल 74 दिवस हेतु कुल विद्यालय 2411 के कुल विद्यार्थी 183666 हेतु 1520.15 मिट्रीक टन जारी किया गया। जिसका वितरण कोविड-19 के निर्देशों का पालन करते हुए बीआरसी, स्वयं सहायता समूहों, शिक्षकों व रसोइयों के द्वारा 100 प्रतिशत वितरण किया जा चुका है, इसी के साथ छात्र-छात्राओं को पर्यावरण के ज्ञान मिट्टी, पौधों की जानकारी बागवानी आदि हेतु कुल 80 शालाओं में मां की बगिया, किचिन गार्डन हेतु चार लाख राशि जारी की गई। जैन के मार्गदर्शन में एमआईएस भी 97 प्रतिशत पूर्ण होने तथा किचिन शेड स्वीकृत कुल 8 को भी पूर्ण होने से मध्यान्ह भोजन मोसन अंक तालिका में ए ग्रेड प्राप्त है।

माही की गूंज में प्रकाशित समाचार व शिकायत के बाद जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट के डंफर अवैध खनन व परिवहन करते पकड़े

तहसीलदार ने इस कार्रवाई में भी कर ली सांठ-गांठ

माही की गूंज, खवासा।

कहते हैं ''चोर चोरी से जाए पर हेरा-फेरी से न जाए'' यह बात सफेद पोशधारी व थांदला तहसीलदार ने सिद्ध कर दी, पिछले दिनो मादलदा के समीप थांदला तहसीलदार ने भारीभरकम मशीन से खुदाई कर करोड़ों मेट्रिक टन का अवैध रूप से मोरम खुदाई कर परिवहन करने वाले 8-वें लाइन का कार्य करने वाली जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट कंपनी के पांच डंपर को तहसीलदार थांदला ने पकड़कर खवासा चौकी में सुपुर्द किए।

बता दें कि, जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट कंपनी धड़ल्ले से जहां मोरम खुदाई की परमिशन नहीं है वहां पर भी अवैध रूप से मोरम खुदाई कर शासन को करोड़ों रुपए की नुकसानी देने वाली कंपनी के विरुद्ध न कोई देखने वाला था, न कोई कार्रवाई करने वाला। 18 फरवरी को माही की गूंज में ''आम करे तो गुनाह खास करें तो बेगुनाह÷ शीर्षक के साथ समाचार प्रकाशित किया था, जिसमें थांदला तहसीलदार शक्ति सिंह शिकायत के बाद भामल-मादलदा मार्ग पर जहां जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट कंपनी के कर्मचारी अवैध रूप से मोरम का खनन कर रहे थे और मौके पर दो पोकलेन मशीन व कई डंफर मिलने के बाद भी किस तरह से साहब ने कार्रवाई नहीं की, का खुलासा किया था। वही 4 मार्च को ''जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट उर्फ मनमानी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी जो भी गलत करें वो सही, बाकी करें तो गलत'' के शीर्षक के साथ गूंज ने समाचार प्रकाशित किया था, जिसमें बिना परमिशन के सिंचाई तालाब से अपने ट्रैक्टरों से पानी भर ले जा रहे थे, शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई करने नहीं पहुंचे तो ग्रामीणों ने अपने बलबूते पर एकत्रित होकर जीआर इंफ्रा कंपनी व उसके पेटी कॉन्टैक्टर को पानी ले जाने से रोका का खुलासा किया था।

जिसके बाद भी किसी भी अधिकारी ने क्षेत्र में जीआर इंफ्रा कंपनी द्वारा अवैध खनन पर किसी के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। माही की गूंज में समाचार प्रकाशित होने पर आमजन सक्रिय हुए और पिछले सप्ताह ऊपरी स्तर तक शिकायत होने पर तहसीलदार साहब मदलदा पंचायत के कड़ीकुआं में कार्रवाई करने पहुंचे, जहां से भी भारी भरकम मशीनों से अवैध मोरम की खुदाई कर डंपरो में भराई कर ले जाया जा रहा था, जिसे शिकायत होने पर मजबूरी में कार्रवाई करते हुए 5 डंफर ही पकड़े। लेकिन बताया जा रहा है भारी भरकम मशीनो से यहां करीब 12-15 डंफर भर-भरकर अवैध रूप से अपने गंतव्य पर जा रहे थे एवं मौके पर भारी भरकम मशीनें भी अवैध खनन कर रही थी, पर यहां भी साहब उर्फ सफेद पोशधारी ने अपनी कारस्तानी दिखाते हुए कार्रवाई के नाम पर पांच डंफर जप्त कर अपनी वाहवाही लूट ली। जबकि बाकी सांठ-गांठ कर भारी भरकम मशीन आदि व अन्य डंफर छोड़ दिए कि, चर्चा ग्रामीण कर रहे हैं।

वही साहब से उक्त मामले को लेकर कोई जानकारी मांगता है या पूछता है तो, मामला कलेक्टर के पास है के साथ अन्य सवाल के पूछने से पहले ही अपना फोन काट देते हैं।

ओपन जिम का विधायक मुकेश पटेल ने किया शुभारंभ

माही की गूंज, आलीराजपुर।

शहर के प्रसिद्ध फतेह क्लब मैदान पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा स्थापित ओपन जिम का शुभारंभ क्षेत्र विधायक मुकेश पटेल ने किया। इस दौरान फतेह क्लब मैदान पर बच्चे, युवा और बुजुर्गो ने ओपन जिम के विभिन्न उपकरणों पर व्यायाम किया। विधायक पटेल ने शहरवासियों को ओपन जिम की सौगात देते हुए कहा कि, यह ओपन जिम शहर के बच्चों, युवा, खिलाडियों, महिलाओं और बुजुर्गो सहित हर वर्ग के उत्तम स्वास्थ्य व अच्छी सेहत के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगा।

बारिश के दौरान ओपन जिम के आसपास पानी जमा होने की समस्या को देखते हुए विधायक पटेल ने ओपन जिम क्षेत्र में पैबर्स लगवाने की घोषणा करते हुए कहा कि, ओपन जिम में स्थापित मशीनों की देखरेख और रखरखाव पर संबंधित विभाग द्वारा नियमित रूप से ध्यान रखा जाए और समय-समय पर इन मशीनों का मेंटनेंस करवाया जाए। जिससे लंबे समय उक्त व्यायाम की मशीने सुचारू रूप से चलती रहे। शुभारंभ के पश्चात बडी संख्या में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गो ने ओपन जिम की मशीनों पर व्यायाम किया।

इस दौरान जिला कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष ओम राठौर, श्याम राठौर सेन्डी, अजय सोनी, रितेश नवाल, कैलाश राठौड सहित बच्चे, युवा और वरिष्ठ नागरिक मौजूद थे। उक्त ओपन जिम विधायक मुकेश पटेल की अनुशंसा पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा स्थापित करवाया गया है। गौरतलब है कि इस संबंध में विधायक पटेल ने कुछ माह पूर्व खेल एवं युवा कल्याण विभाग को शहर के फतेह क्लब ग्राउंड, जिला खेल परिसर, शासकीय महाविद्यालय, पुलिस ग्राउंड, कलेक्टर कार्यालय प्रांगण, संस्कार धाम गडात और दिग्विजय खेल मैदान कट्ठीवाडा में ओपन जिम स्थापित करने की अनुशंसा की थी। जिसके बाद विभाग ने पहला ओपन जिम फतेह क्लब मैदान में स्थापित किया।

ओपन जिम में ये मशीनें हुई स्थापित

फतेह क्लब में स्थापित ओपन जिम में लेग प्रेस, आर्म एंड सोल्डर व्हील, डबल क्रास वाकर, एलेप्टीकल एक्सरसाइजर, सिट अप स्टेशन, एक्ससाजिंग बार, चिन अप बार, आर्म व्हील, रोविंग मशीन, नी हिप रेज और टविस्टर मशीने स्थापित की गई है। इस दौरान विधायक पटेल ने बच्चों को बिस्किट वितरित किए।

हिन्दू युवा जनजाति संगठन की प्रदेश स्तरिय बैठक सम्पन्न

माही की गूंज, खरगोन। बुधवार को हिन्दू युवा जनजाति संगठन की प्रदेश स्तरिय बैठक खरगोन संपन्न हुई। जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संगठन प्रमुख कमल डामोर, राष्ट्रीय प्रवक्ता राधू बारिया, प्रदेशाध्यक्ष दिलीप चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष बीरबल डडुवे, प्रदेश महामंत्री प्रदीप तोमर, प्रदेश प्रवक्ता सुरेश मण्डलोई, प्रदेश सहमंत्री कैलाश चौहान, प्रदेश मीडिया प्रभारी विजय मैड़ा तथा प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि, किसी तरह से जनजाति समाज के लोगो का धर्मातरण किया जा रहा है, ईसाई मिशनरियो के द्वारा जनजाति समाज के लोागे का इलाज के नाम तेल मालिस कर बेवूकाफ बनाया जा रहा है, किस तरह से गांव-गांव में अवैध चर्च बनाए जा रहे है अब जनजाति समाज का धर्मातरण नही होने देना है। बैठक में जनजाति समाज के हक-अधिकार व अनुसूचियों, सवैधानिक प्रावधानों के विषय में चर्चा कर कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया गया। संगठन विस्तार तथा चुनोतियों पर मथन किया गया। बैठक समाप्त होने के पश्चात् मडलों कि घोषणा की गई। बैठक में उपस्थित बड़वानी जिलाध्यक्ष शिवम सोंलकी, खरगोन जिलाध्यक्ष मुकेश सोलंकी, झाबुआ जिलाध्यक्ष रामचन्द्र कटारा, अलीराजुपर जिलाध्यक्ष रोशन पचाया, जिला उपाध्यक्ष समरथ पचाया, जिला संगठन मंत्री मुकाम पटेल, जिला कार्यलाय मंत्री नरेन्द्र भिण्डे व अन्य जिला पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर परिषद ने अतिक्रमण के नाम पर उठा लिया सार्वजनिक प्याऊ

माही की गूंज, थांदला।

गर्मी के मौसम या जंहा पिने के पानी की व्यवस्था नहीं है वहां आमजन की सुविधाओं के लिए सार्वजनिक प्याऊ की व्यवस्था स्थानीय नागरिको द्वारा आमतौर पर की जाती है, जिससे भीषण गर्मी या अन्य मौसम में भी आमजन पानी पिने में इस्तेमाल करते है। विडम्बना तब उत्पन्न होती है जब आमजन की सुविधाओं का ध्यान रखने वाली नगर परिषद ही ऐसे सार्वजनिक प्याऊ को अतिक्रमण में बताकर उठा ले जाती है। लेकिन नगर में शासकीय भूमि पर हो रहे अतिक्रमण पर उनकी नजर नहीं पड़ती है। क्या ये ही नगर परिषद का कर्तव्य है की जिस प्याऊ से आमजन को सुविधा हो रही थी उसे ही उठा लिया जाए!

नगर के महात्मा गांधी मार्ग पर बावडी मंदिर के बाहर नगर के युवाओ के आर्मीस ग्रुप द्वारा विगत 25 वर्षो से अधिक समय से सडक से करीब 20 फीट की दूरी पर सार्वजनिक प्याउ का संचालन किया जा रहा था। उक्त प्याउ पर भीषण गर्मी मे राहगीर, भारतीय स्टैट बैंक की शाखा मे आने वाले ग्राहक, मंदिर मे आने वाले दर्शनार्थी शीतल जल पीकर अपनी प्यास बुझाते थे। जिसे नगर परिषद ने अतिक्रमण के नाम पर उठवा लिया।

मामले में प्रभारी सीएमओ नगर परिषद अशोक चौहान ने बताया कि, उक्त प्याउ से नगर परिषद अध्यक्ष व मंडल अध्यक्ष को आपत्ति है इस वजह से हटाना पडी।

संयुक्त अतिथि शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

मुख्य रूप से नियमितीकरण करने की मांग

माही की गूंज, झाबुआ।

संयुक्त अतिथि शिक्षक संघ की जिला इकाई ने सोमवार को दोपहर अपनी 5 सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्ट्रोरेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एसडीएम झाबुआ सोहन कनास को सौंपा। जिसमें मुख्य मांग में सभी को स्थायीत्व अर्थात नियमितीकरण करने का जिक्र किया गया। ज्ञापन संघ के जिलाध्यक्ष अजयपालसिंह राठौर, जिला सचिव इंद्रसिंह सिसौदिया तथा कार्यकारिणी अध्यक्ष विनोद बैरागी के नेतृत्व में दिया गया। जिसमें उल्लेख किया गया कि प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में विगत 13 वर्षो से लगभग 70 हजार अतिथि शिक्षक अत्यंत अल्प मानदेय में सेवाएं दे रहे है।

सरकार द्वारा अतिथि शिक्षकों के इतने वर्षो से सेवाएं देने के बाद भी भविष्य सुरक्षित करने के लिए कोई नीति नहीं बनाई गई है। हर वर्ष नई नियुक्ति के कारण अतिथि शिक्षकों में यह डर सदैव बना रहता है कि वह अगले सत्र में स्कूलों में कार्य कर पाएंगे या नहीं?, आर्थिक संकट के बोझ के चलते ही प्रदेश में करीब 100 अतिथि शिक्षकों ने आत्महत्या जैसे कदम उठाए है। जिसके बाद उनके परिवारजनों का पालन-पोषण नामुमकिन हो गया है। अतिथि शिक्षकों के पक्ष में समर्थन देते हुए देश के कई विधायक, मंत्री तथा सांसद की ओर से पत्र लिखा गया है, परन्तु अब तक उनका स्थायीत्वकरण नहीं किया जााना सरकार की तानाशाही व मनमाने रवैये को प्रदर्शित करता है। ज्ञापन में अतिथि शिक्षकों को 12 माह का सेवाकाल 62 साल तक स्थायी पद तथा मासिक वेतन प्रदान किए जाने, आरटीई का मापदंड पूरा करने वाले अतिथि शिक्षकों को शिक्षकों के पद पर नियोजित किए जाने, अप्रशिक्षित शिक्षकों को ऑपरेशन क्वालिटी या एनआईओएस से प्रशिक्षण करवाया जाने, जो अतिथि शिक्षक 3 सत्र से अधिक सेवा देकर स्थानांतरण या पद पूर्ति होने पर सेवाओं से बाहर हो गए है, उन्हें पुनरू सेवा का अवसर प्रदान करते हुए लाभ दिया जाने, पीएस, एनएस में तत्काल नियुक्ति करने की मांग की गई। ज्ञापन सौंपते समय अनेक अतिथि शिक्षक मौजूद रहे।

होगा विकास और सौदर्यीकरण, कमिशनर ने पहले दौर की बैठक की

माही की गूंज, खरगोन।

इंदौर संभागायुक्त ड़ॉ. पवन शर्मा ने बाजीराव पेशवा के समाधि स्थल का निरीक्षण कर श्रीमंत बाजीराव पेशवा स्मृति प्रतिष्ठान के सदस्यों से साथ पहले दौर की चर्चा की। ज्ञात हो कि बाजीराव पेशवा की समाधि स्थल को पर्यटन स्थल बनाने की दिशा में मप्र टूरिज्म विभाग ने पहल करते हुए खांका तैयार किया है। उसी अनुरूप आगे की रूपरेखा तैयार की जाएगी। इसी के मद्देनजर संभागायुक्त ड़ॉ. शर्मा ने चर्चा के बाद प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण कर विकास और सौंदर्यीकरण कार्यो की संभावनाएं देखी। संभागायुक्त ड़ॉ. शर्मा ने सिलसिलेवार पहले कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी.से अब तक किये गए प्रयास और मंडलेश्वर प्रस्तावित डेम तथा सरदार सरोवर परियोजना से समाधि स्थल के प्रभावित स्थितियों के बारे में जानकारी ली। वही ओंकारेश्वर परियोजना और बाढ़ के समय समाधि स्थल तक पानी पहुँचने तथा बचाव के उपायों के बारे में कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा ने विस्तार से बताया। इसके पश्चात एसडीएम अनुकूल जैन ने समाधि स्थल की भूमि और विकास कार्यो के लिए भूमि के अधिग्रहण और वर्तमान स्थितियों के बारे में बताया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री गौरव बेनल उपस्थित थे।

पांच प्रमुख कार्य है प्रस्तावित

संभागायुक्त डॉ. शर्मा ने श्रीमंत बाजीराव पेशवा स्मृति प्रतिष्ठान के सदस्यों से उनकी रूपरेखा के बारे में विस्तार से जाना। समिति के सदस्य विवेक भटोरे ने बताया कि यहां इंटरवेंशन सेंटर, नोकाविहार, सैनिक स्कूल, म्यूसियम और 28 फीट की स्टेच्यू बनाना प्रस्तावित है। सैनिक स्कूल में बाजीराव पेशवा की युद्धनीति के अध्ययन पर जोर दिया जाएगा। बाजीराव पेशवा की युद्धनीति को अमेरिका में पढ़ाया जाता है। नौकाविहार से बकावां, गंगातखेड़ी, धारेश्वर और ओंकारेश्वर को जोड़ने की कल्पना को पूरा किया जाएगा। वही म्यूसियम में बाजीराव पेशवा के जन्म और उनके द्वारा लड़े गए युद्ध के बारे में तथा उनके द्वारा नियुक्त सूबेदारों की प्रतिमाएं भी रखी जायेगी। संभागायुक्त ड़ॉ. शर्मा ने कहा कि यहां पहुँच मार्ग एक बड़ी समस्या है, इसका समाधान सबसे आवश्यक है। इसके लिए टीडीआर स्कीम के तहत कार्य किया जा सकता है। जो आजकल शहरी क्षेत्रों में कामयाब हो रही है। उसी तर्ज पर यहां भी सम्भावनाएँ देखी जा सकती है। इसी बात को लेकर एसडीएम श्री अनुकुल जैन ने बताया कि यहाँ आने के लिए गांव से होकर आना पड़ता है। गांव के किसानों के खलिहान की भूमि है जो कुछ लोग देना चाहते और कुछ मना कर रहे है। समिति के श्री भटोरे ने कहा कि पूर्व में 28 अप्रैल से 29 अप्रैल तक तीन दिवसीय मेला आयोजित करने की रूपरेखा बन चुकी है मगर अभी तक संचालन नही हो पाया है। चर्चा के बाद संभागायुक्त ड़ॉ. शर्मा ने कहां कि विकास और सौन्दर्यीकरण कार्य के लिए पहले ट्रस्ट बनाये जिसमे गांव के लोग और एसडीएम को शामिल करें। अभी तो प्रारम्भिक रूप से जानकारी एकत्रित की गई है। भूमि के अधिग्रहण और कितनी भूमि कहा कहा से ली जा सकती है। इसके लिए विस्तृत रूपरेखा बनाई जाएगी। पहले दौर के बाद अभी कई तरह से बैठके हो सकती है।

कमिश्नर ने देखे मनरेगा के कार्य

ड़ॉ. पवन शर्मा ने खरगोन जिले के भ्रमण पर रहे। इस दौरान उन्होंने ने बड़वाह में प्रारम्भ हुए ऑक्सीजन प्लांट, बाजीराव पेशवा समाधि स्थल के पश्चात मनरेगा के कार्यो का भी निरीक्षण किया। रावेरखेड़ी में समाधि स्थल पर अवलोकन और समिति से चर्चा के बाद संभागायुक्त डॉ. शर्मा कसरावद कि ओर निकले इसी दौरान पिपलगोन की हायर सेकेंडरी स्कूल में बाउंड्रीवाल तथा वृक्षारोपण के कार्य देखे। स्कूल का ग्राउंड देखकर डॉ. शर्मा ने कहा कि इस मैदान को भी मनरेगा से विकसित करें। बच्चों के खेलने के लिए भी स्थान होना चाहिए। कार्य पूर्ण होने के बाद फ़ोटो भेजने के निर्देश दिए। इसके पश्चात डॉ. शर्मा ने भटयांण में मनरेगा से बनाई जा रही गौशाला भी देखी। यहां उपस्थित समिति के सदस्यों से गौशाला से संबंधित बिन्दुओं के बारे में भी जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी ने उन्हें जानकारी देते हुए बताया कि 100 गायो के लिए यह कार्य है। यहां पूर्व से ही निजी रूप से एक गौशाला है। जिसका समिति संचालन करती है। गौशाला निर्माण के बाद एसएचजी द्वारा गौशाला संचालित की जाएगी। मौके पर उपस्थित जिला पंचायत सीईओ गौरव बेनल ने कहा कि शासन द्वारा 20 रुपये प्रति गाय के लिए प्राप्त होते है। इसके अलावा दानदाताओं से भी सहयोग मिल जाता है। इस दौरान कसरावद जनपद सीईओ मोहन वास्कले और तहसीलदार भी उपस्थित रहे।

मनरेगा से खेल मैदान करे समतल

संभागायुक्त डॉ. शर्मा ने जिला पंचायत सीईओ श्री बेनल को निर्देश दिए कि, महेश्वर में निर्माणाधीन कन्या परिसर में स्थान काफी है। बिलि्ंडग भी बनकर तैयार हो रही है। यहां मैदान को समतल करने के लिए मनरेगा योजना से कार्य करे। ज्ञात हो कि संभागायुक्त डॉ. शर्मा बुधवार को जिले के भ्रमण पर रहे और इसी दौरान वे नवनिर्मित निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुँचे थे। यहां 500 बालिकाओ के लिए परिसर बनाया जा रहा है। संभागायुक्त ने बॉउंड्रीवाल का निर्माण भी करने के निर्देश दिए। इस दौरान मंडलेश्वर एसडीएम श्री मिलिंद ढोके, पीआईयू के अधिकारी और जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त श्री जेएस डामोर उपस्थित रहे।

सचिव के खिलाफ 420 का मामला दर्ज, निलंबन के आदेश भी जारी

मामलाः बेशकीमती जमीन के फर्जी क्रय-विक्रय का...

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)।

बोरदा के सचिव जो भैसोदा ग्राम पंचायत के पूर्व सचिव रहे ईश्वर बोहरा द्वारा भैसोदा में अपने कार्यकाल के दौरान अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करते हुए फर्जी तरीके से सर्वे नंबर 1315 आबादी वाली पुलिस चौकी भैसोदा मंडी से लगी करोड़ों रुपए की बेशकीमती भूमि के संबंध में फर्जी तरीके से स्वत्व प्रमाण-पत्र एवं नामांतरण भी 20 नवंबर 2020 को दर्ज कर लिए गए। मामला सामने आने पर तहसीलदार भानपुरा राकेश यादव ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आरपी वर्मा उपखण्ड गरोठ के न्यायालय में आवेदक वीरेंद्र यादव, ओम प्रकाश यादव, राकेश यादव एवं मुकेश यादव के आवेदन एवं शिकायत पर दर्ज की गई। प्रचलित प्रकरण की सघनता से जांच करते हुए शिकायत प्रकरण क्रमांक 1/शिकायत/2021-22 में उपरोक्त स्वत्व प्रमाण-पत्र एवं अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर नामांतरण दर्ज कर लिए जाने पर 420 का मामला मानते हुए अपने आदेश क्रमांक 968/री-/2021 भानपुरा 5 जुलाई के आदेश में लिखा कि, पूर्व ग्राम पंचायत सचिव ईश्वर बोहरा ने अपने स्वयं के हस्ताक्षर से स्वत्व प्रमाण-पत्र जारी किए, उसके द्वारा जारी फर्जी प्रमाण-पत्र पर नामांतरण के आधार पर उक्त सर्वे नंबर से आबादी भूखंडों का गलत क्रय विक्रय हुआ है। पूर्व सचिव ईश्वर बोहरा के द्वारा उक्त भूखंडों पर भवन संपत्ति कर पंजी पर बिना प्रक्रिया का पालन किए अपने क्षेत्राधिकार के बाहर उनका नामांतरण भी दर्ज कर लिया गया, जो नगर परिषद के गठन होने के बाद भी किया गया जो सचिव के क्षेत्राधिकार में नहीं था। इससे यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि, सचिव इस क्रय-विक्रय में लिप्त है तथा रिकार्ड में अनावश्यक हेरा-फेरी कर संबंधित को लाभ पहुंचाने की दृष्टि से यह कृत्य किया गया है। इस प्रकार नगर परिषद का गठन होने के पश्चात भी पूर्व सचिव ईश्वर बोहरा द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र में नहीं होने के पश्चात भी गलत तरीके से प्रमाण-पत्र जारी करने, फर्जी तरीके से नामांतरण करने का दोषी पाए जाने से सचिव ईश्वर बोहरा की प्राथमिकी दर्ज करवाई जाए।

तहसीलदार भानपुरा राकेश यादव ने उक्त आदेश मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद भैसोदा सुरेश यादव को दिया। इस मामले में सुरेश यादव ने बताया कि, पुलिस थाना भानपुरा में सचिव ईश्वर बोहरा के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया जा रहा है। अपने आदेश में तहसीलदार राकेश यादव ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भानपुरा को प्रेषित पत्र क्रमांक 969/री-1/2021-21 भिजवा कर लिखा है कि, पूर्व सचिव ईश्वर बोहरा के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई करना भी सुनिश्चित करें।

उल्लेखनीय है कि, पूर्व ग्राम पंचायत भैसोदा के पूर्व सचिव ईश्वर बोहरा द्वारा नगर परिषद भैसोदा के 20 नवंबर 2020 को गठन के बावजूद 30 नवंबर को फर्जी तरीके से अताउर रहमान पिता मुजीबर रहमान निवासी भैसोदा, रमेशचंद पिता गोरधन गुर्जर निवासी ढाबा एवं इंदर सिंह पिता भारत सिंह राजपूत निवासी भैसोदा को स्वामित्व के फर्जी प्रमाण-पत्र व नामांतरण जारी कर दिए, जिससे उपरोक्त बेशकीमती भूमि का क्रय-विक्रय होना पाया गया। उपरोक्त भूमि को पहले ही अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आरपी वर्मा के आदेश पर तहसीलदार व नगर परिषद भैसोदा प्रशासक राकेश यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुरेश यादव द्वारा शासनाधीन कर लिया गया था।

पूर्व मुख्यमंत्री का आदिवासी संस्कृति प्रतीक चिन्ह देकर किया स्वागत

माही की गूंज, आम्बुआ।

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह का आम्बुआ आगमन पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने आदिवासी संस्कृति के प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया। 4 जुलाई को दिग्विजय सिंह अलीराजपुर जिले के प्रवास पर जाते समय विधानसभा क्षेत्र जोबट के ग्राम आम्बुआ में जोबट तिराहे पर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने आदिवासी संस्कृति के प्रतीक चिन्ह तीर कमान, फलिया, गोफन आदि फ्रेम में सुसज्जित कर भेंट किया। इस अवसर पर स्व. कलावती भूरिया के भतीजे दीपक भूरिया, डॉ. राजेंद्र सिंह राठौर, गोपाल चौहान, अजमेर सिंह रावत, अमान पठान, कलमसिंह कनेश, अमर सिंह डुडवे, मोगली खान, साजिद खान, शहजाद खान, अमित डावर, सुरेंद्र सिंह चौहान आदि के साथ विधानसभा क्षेत्र जोबट के ग्रामीण क्षेत्रों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रावत को श्रद्धांजलि अर्पित की

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने आम्बुआ निवासी इंदौर में पदस्थ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक करण सिंह रावत के आम्बुआ स्थित आवास पर पहुंचे, जहां करण सिंह रावत की माता श्रीमती हिंगुल बाई रावत जिनका विगत माह निधन हो गया था को श्रद्धा सुमन अर्पित कर शोक संतपन परिवार को सांत्वना प्रदान की।

रेत खदान धंसने से एक युवक की हुई मौत

माही की गूंज, आम्बुआ। आम्बुआ थाना क्षेत्र से लगभग 8 किलोमीटर दूर ग्रामीण क्षेत्र अडवाड़ा में एक नाले में स्थित रेत खदान से रेत निकालते समय खदान धंस जाने से नीचे दबे एक युवक की इलाज कराने ले जाते हुए मृत्यु हो गई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ की है वहीं राजस्व विभाग भी सक्रिय हुआ है।

मिली जानकारी अनुसार 4 जुलाई को अडवाड़ा-कोटबू सीमा के बीच स्थित बेलिया खोदरा (नाला) में कुछ ग्रामीण नाले के किनारे से नीचे की ओर रेत खोदकर निकाल रहे थे तभी किनारे का ऊपरी हिस्सा भर-भराकर गिरा गया, जिसके नीचे एक युवक अरविंद पिता केरमसिंह (25) दब गया, जिसे ग्रामीण तथा परिजनों ने निकाला व वाहन से अलीराजपुर अस्पताल ले गए जहां उसकी मृत्यु होने पर अलीराजपुर थाने में शुन्य पर प्रकरण दर्ज किया गया। बता दे कि, क्षेत्र में अभी रेत खदानों की नीलामी नहीं होने से ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रेत खनन तथा परिवहन जारी है। हल्का पटवारी कुंवर सिंह चौहान ने बताया कि, सूचना मिली है वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में लाकर उचित कार्रवाई की जाएगी।

मण्डलोई विधानसभा युकां अध्यक्ष नियुक्त

माही की गूंज, अलीराजपुर। कांग्रेस जिलाध्यक्ष महेश पटेल और विधायक मुकेश पटेल की अनुशंसा पर प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया ने समाजसेवी तरुण मण्डलोई को युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किया है। मण्डलोई को विधानसभा अध्यक्ष बनाए जाने पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल, विधायक मुकेश पटेल, बापू पटेल, चीतल पंवार, अनूप सोमानी, सोनू वर्मा, जीतू देवडा, आनंद वाघेला, पिंटू सेन, नितिन सोनी सहित कांग्रेस के नेता, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष पटेल व विधायक पटेल ने पुष्पमाला से मण्डलोई का स्वागत कर विश्वास जताया कि, मण्डलोई अलीराजपुर युवा कांग्रेस में नई ऊर्जा के साथ युवा कांग्रेस को मजबूती प्रदान करेंगे, साथ ही पार्टी की रीति नीति से युवाओं को एकजुट कर पार्टी हित में अपनी सेवाएं देंगे।

जनसंघ के संस्थापक डॉ. मुखर्जी की जयंती पर किया पौधरोपण

माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज.)।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती के उपलक्ष्य में भाजपा नगर मंडल कुशलगढ़ द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला मंत्री जिनेन्द्र सेठिया ने डॉ. श्यामाप्रसाद के पदचिन्हों पर चलने का आव्हान किया। जिला मंत्री रेखा जोशी ने पोधरोपण के महत्व को बताते हुए अधिक से अधिक पोधे लगाने की बात कही। नगर पालिका अध्यक्ष बबलू मईडा ने बताया कि, आने वाले दिनों में नगर पालिका पूरे नगर में 500 से अधिक पोधे लगाने जा रही है। कार्यक्रम मे युवामोर्चा से मयंक टेलर, दिपांशु गुप्ता, युवामोर्चा नगर महामंत्री मनीष मईड़ा, अजय बरोडीया, राजेश भाटिया, महिला मोर्चा से वन्दना मायल, समाजसेवी वरीष्ठ नेता मुकेश अग्रवाल, अशोक पण्ड्या, युवामोर्चा जिलामंत्री रितेश गादिया, मुकेश कलावा, आईटी सेल विधानसभा प्रभारी अनुज प्रताप सिंह, युवामोर्चा मण्डल अध्यक्ष वैभव बैरागी, पार्षद ज्योतसना बेन, नरेश गादिया, महावीर कोठारी, वरिष्ठ नेता दिलीप टेलर, भूपेंद्र टेलर, संजय चौहान, पूर्वमण्डल अध्यक्ष कमलेश कावड़िया, आईटी सेल जिला सह संयोजक रौनक टेलर, नगर महामंत्री रामकिशन मकवाना, कमलेश टेलर, जिलामंत्री जिनेंद्र सेठिया, पूर्वपालिकाध्यक्ष रेखा जोशी, उपाध्यक्ष नितेश बैरागी आदि उपस्थित रहे।

सट्टे की लत में अपराध ओर अग्रसर हो रही युवा पीढ़ी

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

लंबे समय से शहर में सट्टे का कारोबार जोरो पर चल रहा है, जो वर्तमान में मोबाइल के माध्यम से भी खूब फल-फूल रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार, सभी कारोबार को करने के लिए प्रतिमाह मोटी रकम पुलिस वालों को दे जाते है, किसी भी इलाके के प्रभारी को उनके अड्डे की पूरी जानकारी होती है लेकिन उसके बाद भी थाना प्रभारी सट्टे के कारोबार को बंद करने का प्रयास नहीं करते और बड़े अधिकारियों की फटकार पढ़ते ही आनन-फानन में छोटी-मोटी कार्रवाई कर लेते हैं। आम जनता का मानना है कि, सट्टा लिखने वालों पर रोक लगेगी और कारोबार पूरे शहर से खत्म होगा, लेकिन वही इस अवैध कारोबार में स्कूली छात्रों के अलावा अब शहर की महिलाएं भी सट्टे की लत का शिकार हो रही है तथा यह कारोबार शुजालपुर के नामी लोगों के इशारे पर पूरे शहर में फल-फूल रहा है।

सटोरियों की पकड़ मजबूत

शहर मे खुलेआम सट्टे का खेल चल रहा है। पुलिस की लगातार कार्रवाई के बाद भी सटोरिया अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। सुबह 11 बजे से ही सट्टा लगना शुरू हो जाता है और देर रात साढ़े 11 बजे तक चलता रहता है। खुलेआम चल रहे इस कारोबार पर न तो पुलिस की नजर है और न ही वह इस पर लगाम कसने का प्रयास कर रहे हैं। ये ही वजह है कि, कारोबार लगातार बढ़ता जा रहा है शुजालपुर का नामी सटोरियों के साथ अपना सट्टा कारोबार फैला है। जिसकी वजह से शहर में अशांति का माहौल है।

यहां लिखा जाता है सट्टा

सुत्रों से मिली जानकारिनुसार शंकर नगर में दो जगह पर एक खाईवाल है, प्रेमनगर पान की दुकान पर, राहुल वीडियो के पास, टेंपो चौराहा, दारू प्लस सट्टा, टेंपो चौराहा, ब्रज नगर, मंडी फ्रीगंज, गल्ला मंडी के पास, सीटी सब्जी मार्केट, सिटी बस स्टैंड, सीटी हनुमान व्यामशाला के पास, काली माता चौराहा, मंडी बस स्टैंड के साथ अन्य जगहों पर खुलेआम सट्टे का कारोबार चल रहा है।

वहीं जब एसडीओपी विजय शंकर द्विवेदी से चर्चा की गई तो उन्होने कहा, आप हमें जानकारी दे दीजिए, हम उस पर तुरंत कार्रवाई करेंगे। हमने एसपी को भी पत्र लिखा है जिस पर टीम बनाकर सटोरियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कोरोना संबंधित लक्षण महसूस होने पर फीवर क्लीनिक पर जांच कराएं

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने समस्त जिलेवासियों से आह्वान किया है कि, किसी भी व्यक्ति को कोरोना संभावित लक्षण महसूस होते है तो तत्काल जिले में बनाए गए फीवर क्लीनिक पर संपर्क करें। सर्दी, जुकाम, बुखार, गले में खराश, सांस लेने में तकलीफ सहित अन्य किसी भी तरह के लक्षण महसूस होने पर तत्काल फीवर क्लीनिक पर संपर्क करें। उन्होंने बताया, जिले में 6 स्थानों पर फीवर क्लीनिक संचालित है। उक्त फीवर क्लीनिक सुबह 9 से शाम 5 बजे तक संचालित हो रहे है। फीवर क्लीनिक जिला चिकित्सालय अलीराजपुर, जोबट, चंद्रशेखर आजाद नगर, सोंडवा, कट्ठीवाडा एवं उदयगढ के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर संचालित हो रहे है।

जिलेभर के दिव्यांग युवक-युवतियों ने मुख्यमंत्री तथा कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, झाबुआ।

मंगलवार को जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आए दिव्यांग युवक-युवतियों ने कलेक्ट्रोरेट पहुंचकर मुख्यमंत्री तथा कलेक्टर के नाम अपर कलेक्टर जुवानसिंह बघेल को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न मूलभूत तथा ज्वलंत मांगे रखी।

दिव्यांग युवक दिलीपसिंह भूरिया, नरेंद्रसिंह चौहान, राकेश मेड़ा, गुलाब भाबोर, लालू बिलवाल, तोलसिंह मावी, रामसिंह भाबोर, कैलाश देवदा, नरेन्द्र सिंगार, गंगाराम भूरिया, जेरू भाबोर, युवती ललिता भूरिया, रखमा चंगोड़, कमला चौहान, अनिता मंडोड़, सीता भाबोर आदि ने मुख्यमंत्री के नाम दिए ज्ञापन में बताया कि वह सभी बेरोजगार होकर ना मजूदरी कर सकते है और ना ही खेतीबाड़ी। ऐसे में सरकार से मांग है कि हम सभी दिव्यांगों को योग्यतानुसार रोजगार दिया जाए, दिव्यांगों को वर्तमान में सरकार से पेंशन के रूप में मात्र 600 रुपये मिल रहे है, जिसे बढ़ाकर 3 हजार रुपये तक किया जाए, विकलांतानुसार सभी को तीन पहिया मोटरसाईकिल दी जाए, ताकि वह किसी भी प्रकार का व्यवसाय कर सके। साथ ही सभी दिव्यांगों को प्रधानमंत्री आवास योजना से भी लाभान्वित किया जाए।

उचित मूल्य दुकानों से राशन सामग्री दी जाए

इसके अतिरिक्त कलेक्टर के नाम दिए ज्ञापन में बताया कि कोरोनाकाल में आर्थिक तंगी तथा बेरोजगारी होने से सभी दिव्यांगजन एवं उनके परिवारजन अत्यधिक परेशान है। ऐसे में ना तो दिव्यांगों के खातों में एडवांस पेंशन डाली गई और ना ही वर्तमान में अपने ग्रामों में शासकीय उचित मूल्य दुकानों से उन्हें राशन सामग्री मिल रहीं है। विपरित परिस्थितियों में वह अपना तथा परिवार का पालन पोषण व जीवन यापन किस तरह कर सकेंगे। उक्त ज्ञापन में कलेक्टर से उचित मूल्य दुकानों से दिव्यांगजनों को राशन सामग्रीयों का प्रावधान किए जाने की मांग की गई।

विधायक भूरिया ने कलेक्टर को बताई जन समस्याएं

माही की गूंज, झाबुआ।

विधायक कांतिलाल भूरिया ने कलेक्टर सोमेश मिश्रा से मुलाकात कर अपनी विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं से रूबरू कराया। श्री भूरिया ने विशेषकर रानापुर नगर पालिका क्षेत्र में गुणवत्ताहीन रोड, रोजगार एवं उचित मूल्य की दुकानों पर प्रदाय राशन के सबंध में चर्चा की।

श्री भूरिया ने कलेक्टर को बताया कि, रानापुर में नगर परिषद के माध्यम से पुलिस थाने से पेट्रोल पंप तक बन रहे सीसी रोड जिसकी लागत 88 लाख 45 हजार रूपए है। उक्त निर्माण कार्य में गुणवत्ताहीन एवं घटिया सामग्री के उपयोग करने की शिकायत की। साथ ही जो राशन गरीबों को निःशुल्क मिलना चाहिए वह भी कई उपभोक्ताओं को नही मिल रहा है जिसकी जांच करवाई जाए, अनेक स्थानों पर पुरा राशन ग्रामीणों को नहीं दिया जा रहा है तथा ग्रामीण परेशान हो रहे है। साथ ही वर्तमान में वर्षा की लम्बी खेंच के कारण लोगों के सामने परेशानी खडी हो गई है वर्तमान में खेती के काम से निवृत्त होकर बैठे ग्रामीणों को जिले में रोजगार की समस्या आ रही है। झाबुआ-अलीराजपुर जिले से हजारों की संख्या में श्रमिक काम के लिए गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान एवं अन्य राज्यों की ओर रूख कर रहे है। सरकार योजनाएं केवल कागजों पर चल रही है। श्री भूरिया ने कलेक्टर से रोजगार मूलक कार्य जिसके अन्तर्गत तालाब निर्माण, सुदूर सडक निर्माण एवं विशेषकर तालाबों के गहरीकरण के कार्यो पर जोर दिया है। कहा कि, तत्काल ऐसे निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाए एवं ग्रामीणों को अपने घर पर ही रोजगार उपलब्ध कराया जाए। इस दौरान श्री भूरिया के साथ रानापुर नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष, कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष कैलाश डामोर, पार्षद हरिश नलवाया, नारायणजी जैन, रकसिंह सरपंच ढोल्यावड, महेश राठौर, दीपक राठौर, विजय शाह, सुरेश समीर एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थें।

मन्सूरी चौक पर आयोजित हुआ दो दिवसीय टिकाकरण शिविर

माही की गूंज, अलीराजपुर।

देश भर मे चल रहे टीकाकरण महा-अभियान में गति लाने के लिए ज़िला प्रशासन व मुस्लिम समाज दफ्तर दारुल क़ज़्ज़ात के आह्वान पर गुलशने मदीना कमैटी द्वारा मन्सूरी चौक पर लगाए गए दो दिवसीय शिविर में 561 नागरिक-जन द्वारा वैक्सिनेशन करवाया गया। जिसमे प्रभारी शहर क़ाज़ी सैय्यद हनीफ क़ादरी, ज़िला चिकत्सालय के सिविल सर्जन डॉ. केसी गुप्ता, शहरी टीकाकरण अधिकारी डॉ. सचिन पाटीदार, स्टॉफनर्सेस चन्दा बेरिनिका, नंन्दनी शेरसिंह, आशा कार्यकर्ता रेणुका गुप्ता, भावना कामिनी, कांता एवं नगर पालिका के सुनीत कापड़िया, संजय वाणी, सागर गौतम, संजय बारेला सहित समस्त प्रशासनिक अमले का सराहनीय योगदान रहा।

जामली का सांणा सरपंच और सचिव मिलकर उड़ा रहे सूचना अधिकार अधिनियम की धज्जियां

जानकारी के लिए की गई अपील, फर्जी मजदूरी भुगतान मामले में एसडीएम ने रिकॉर्ड पेश करने के निर्देश किए जारी

माही की गूंज, पेटलावद।

विकास खण्ड की ग्राम पंचायत जामली में विगत 20 वर्षो से जमे सरपंच (पति-पत्नी बारी-बारी से) और वर्तमान में विगत दो वर्षो से प्रधान बने हुआ साणा सरपंच और ग्राम पंचायत सचिव द्वारा केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए सूचना का अधिकार अधिनियम के कानून की भी धज्जियां उड़ाई जा रही है। कहने को तो उक्त माध्यम से आप किसी भी विभाग या कार्य की जानकारी आसानी से ले सकते हैं, लेकिन जब उक्त कानून का उपयोग किया जाता है तो ग्राम पंचायत स्तर के जिम्मेदार भी बेखोफहोकर उक्त कानून के नियमो को अंगूठा बताकर मांगी गए जानकारी देने से बचने का प्रयास करती हैं। ग्राम पंचायत जामली से बलराम पाटीदार नाम के युवक द्वारा जानकारी मांगने पर एक माह का अधिक समय बीत जाने के बाद भी पंचायत द्वारा जानकारी नही दी गई। ग्राम पंचायत सरपंच यूं तो हर काम में हस्तक्षेप करता है लेकिन जानकारी देने के नाम पर सचिव की और गेंद फेक देते हैं, वही सचिव समय सीमा में न तो जानकारी दे रहा है न ही जानकारी मांगने वाले को कोई संतोष पूर्ण जबाब दे रहा है। परेशान जानकारी मांगने वाले ने जनपद पेटलावद कार्यालय में द्वितीय अपील कर जानकारी उपलब्ध करवाने को मांग की है।

बलराम पाटीदार ने बताया कि, विगत वर्षो में ग्राम पंचायत में शासकीय कार्यो में राशि का गबन किया गया था, साथ ही शासकीय भूमि पर पंचायत द्वारा पैसे लेकर अतिक्रमण करवाया गया, जिसके प्रमाणित रिकॉर्ड की प्रति की आवश्यकता थी जिसे लेकर मामला न्यायालय तक ले जाना है। लेकिन ग्राम पंचायत गोलमोल जवाब देकर जानकारी नही दे रही हैं। मेरे द्वारा जनपद सीईओ को अपील की जा चुकी हैं।

एसडीएम ने बुलवाया फर्जी मजदूरी मामले रिकॉर्ड को

शिकायत के एक माह बाद जब शिकायतकर्ता एसडीएम के पास पहुँचा तो पता लगा कि, शिकायती आवेदन मार्क होने के बाद गायब हो गया। जिसके बाद शिकायतकर्ता द्वारा दोबारा शिकायत कर बताया कि, किस तरह ग्राम पंचायत के सरपंच अम्बाराम वसुनिया और रोजगार सहायक निर्भय सिंह मैडा द्वारा कोटवार के खाते में पिछले 5 वर्ष से मनरेगा की मजदूरी का भुगतान किया जा रहा है। एसडीएम गेमावत द्वारा मामले में जनपद सीईओ को और ग्राम पंचायत का भुगतान रिकॉर्ड प्रस्तुत करने के निर्देश जारी करने की जानकारी मिल रही है। जिसके बाद शिकायतकर्ता को पूरी उम्मीद है कि, मामले में सही जांच होकर भ्रष्टाचार करने वालो के विरुद्ध कार्रवाई होगी।

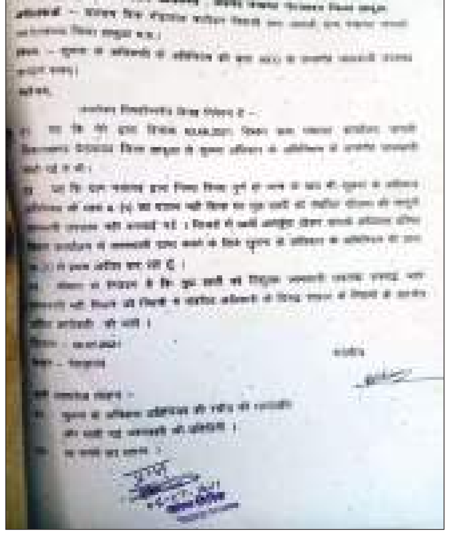

आ.जा.सह.स. उर्फ भ्रष्टाचार के खेल में कभी चैनसिंह की चल रही जादूगिरी तो कभी मात खाता चैनसिंह

गूंज असरः बिना उल्लेख के हटाया चैनसिंह को, नवीन अतिरिक्त प्रभार बैरागी को

माही की गूंज, खवासा।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित झाबुआ के अधीन आ.जा.सह. संस्थाओं में चल रहे भ्रष्टाचार का खेल ऐसा है कि, एक इतिहास भी लिख दे तो भी शायद कम पड़ेगा। अभी बात करें आ.जा.सह. संस्था भामल की तो यहां बरसों से अपने भ्रष्टाचार का जादुई खेल चलाकर अंगद के पैर की तरह पदस्थ चैनसिंह राठौड़ ने अपनी मूछों पर ताव देकर भ्रष्टाचार के कई आयाम गढ़े हैं। चैनसिंह के भ्रष्टाचार के छिलके जितने भी निकालें शायद वह भी कम ही होगा। परंतु 3 मार्च को अपने ही निजी वाहन कार क्रमांक एमपी 45 सी 0647 में अपने खादिम उर्फ संस्था के सेल्समैन बाबू नकुम के घर के आगे गाड़ी खड़ी कर दो बाजरा खाद्यान्न से भरे कट्टे एवं खाली बारदान की हेरा-फेरी कर रहा था। जिसका खुलासा गूंज ने 4 मार्च को ÷आ.जा.सह. संस्था का मैनेजर चैनसिंह दिनदहाड़े खाद्यान्न व खाली बारदान की कर रहा हेरा-फेरी÷, ÷मामला उजागर होने पर मैनेजर के साथ सेल्समैन भी आया हरकत में÷ शीर्षक के साथ प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया था, जिस पर सीसीबी शाखा बामनिया के मैनेजर ने 5 मार्च को आदेश जारी कर माही की गूंज का हवाला देकर चैनसिंह को तत्काल प्रबंधक के पद से हटाकर सेल्समैन कमलेश पाटीदार को चार्ज देने के निर्देश दिए थे। परंतु चैनसिंह जातिवाद का बीज बोकर भाजपा के कुछ छूटभइये नेता के चरणों में नतमस्तक होकर चार्ज देने से बचता रहा, लेकिन माही की गूंज के सतत समाचार के बाद 1 अप्रैल को कमलेश पाटीदार को चार्ज देना ही पड़ा। अपने भ्रष्टाचार के खेल में अपनी जादुई छड़ी चलाने वाले चैनसिंह ने राजनीतिक प्रभाव एवं झूठे बयानों के आधार पर भामल के भाजपाई छूटभइये नेताओं के सहारे से किस तरह 8 जून को पुनः अपना प्रबंधक पद का चार्ज हथियाकर पद पर विराजित होकर अपनी झूठी राठौड़ी शान बताकर मूछों पर ताव देकर कहता रहा कि, मुझे चैनसिंह राठौड़ कहते हैं, लाखों का भ्रष्टाचार किया, यहां तक की खवासा संस्था में भी फर्जी खाते खुलवाकर गबन करने पर मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सके, तो मामूली खाद्यान्न व बारदान की हेरा-फेरी में मेरा कोई क्या बिगाड़ लेगा...? की गौरवक्ति कई उपभोक्ताओं के समक्ष करने लगा था।

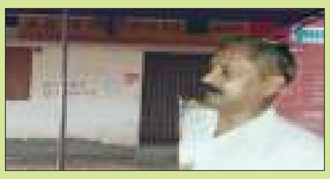
चैनसिंह के पद से हटने पर झुकी उसकी राठौड़ी मुंछे।

चैनसिंह के पुनः चार्ज लेने के बाद गूंज ने 24 जून को 'चैनसिंह फिर हुआ अपनी भ्रष्ट कारस्तानियों में सफल, हासिल कर लिया फिर से प्रबंधक का पद' शीर्षक के साथ समाचार प्रकाशित किया, जिसमें किस तरह से स्थानीय नेताओं को आगे कर सांसद गुमान सिंह व कलसिंह भाभर के पास पहुंचे और अधिकारियों को भी अपने स्तर से अपनी काली कमाई का हिस्सा देकर किस तरह से पुनः भ्रष्ट चैनसिंह ने अपना पद हासिल किया उजागर किया था।

माही की गूंज के खुलासे एवं भ्रष्टाचार के इस खेल को उजागर करने पर सीसीबी झाबुआ एवं जनप्रतिनिधि भी हरकत में आए और अपनी कारगुजारी को दबाकर, पुनः चैनसिंह को प्रबंधक पद से हटाकर, सीसीबी झाबुआ के महाप्रबंधक ने 7 जुलाई को पत्र क्रमांक 2021-22/995 से आदेश जारी किया। जिसमें बामनिया शाखा के सुपरवाइजर व खवासा के प्रबंधक का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे विक्रम बैरागी को आ.जा.सह. संस्था का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया।

चैनसिंह को हटाने वाले आदेश में हटाने का कारण व चैनसिंह का नाम आखिर क्यों नहीं किया उल्लेख...?

आदेश में उल्लेख किया कि, बैंक की प्रशासनिक सुविधा एवं कार्य व्यवस्था की दृष्टिगत विक्रम बैरागी प्र. पर्यवेक्षक शाखा बामनिया सह. प्र. संस्था खवासा को वर्तमान दायित्व के साथ में समिति प्रबंधक संस्था भामल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा जाता है। श्री बैरागी नवीन पदस्थ स्थान पर तत्काल उपस्थित होवे तथा कार्यभार ग्रहण कर प्रभार सूची स्थापना कक्ष प्र. का. झाबुआ को अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें।

उक्त आदेश में अधिकारी ने अपना बचाव पक्ष दर्शा कर कहीं भी चैनसिंह को जिसे 8 जून को पुनः प्रभार दिया था को किस कार्रवाई व अनियमित्ताओं पर हटाया गया का उल्लेख नहीं होकर चैनसिंह को पद से हटाए जाने व उसके नाम तक का उल्लेख नहीं किया, जो भी आ.जा.सह. संस्था से लेकर सीसीबी झाबुआ तक की कई अनियमित्ताओं को दर्शा रहा है। खेर संस्था के भ्रष्टाचार पर माही की गूंज की सीधी नजर टिकी है।

तुकाराम की तूती और निलेश की राठौरी ऐसी कि रायपुरिया से देवझिरी तक अवैध शराब कर रहे सप्लाई

रायपुरिया से झिरी होकर देवझिरी तक पहुंची थी शराब, सांठ-गांठ कर पुलिस ने एफआईआर में नहीं किया नाम दर्ज

माही की गूंज, झाबुआ।

राणापुर थाने में अपराध क्रमांक 135/20 धारा 34 (2), 36 आबकारी एक्ट में आरोपित तुकाराम पिता शांतिलाल चौहान निवासी झीरण (अलीराजपुर) राणापुर शराब दुकान का पार्टनर होकर अवैध शराब क्षेत्र में अपने गुर्गों के माध्यम से अपने साथियों की राजी मर्जी के साथ सप्लाई करवाता था। अवैध सप्लाई के दौरान 158 अवैध शराब की पेटियां ढ़ाकनी तलाई से राणापुर पुलिस में वाहन के साथ जप्त की थी।

शराब माफिया तुकाराम चौहान

शराब माफिया उर्फ किंग अलकेश बाकलिया

मामले में पुलिस को पटकनी लगाकर चोंटीधारी शराब माफिया तुकाराम चौहान एक वर्ष तक फरारी काटता रहा और पेटलावद एवं रायपुरिया शराब की दुकानों में मुख्य पार्टनर होकर अपने अवैध शराब का कारोबार धड़ल्ले से कर रहा था कि, राणापुर पुलिस ने पेटलावद शराब ऑफिस से गिरफ्तार किया था। 2 माह से अधिक समय तक जेल की सलाखों में रहकर जमानत पर रिहा होकर आया तुकाराम वर्तमान में रायपुरिया ग्रुप के साथ रतलाम में भी शराब दुकान में पार्टनर होकर धड़ल्ले से संबधित क्षेत्र के साथ बाहरी क्षेत्र में भी अवैध शराब सप्लाई करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

शराब की जानकारी रखने वाले माही की गूंज के विशेष सूत्रों के अनुसार 28-29 जून 2021 की रात्रि में भी तुकाराम चौहान ने अपने साथी पार्टनर निलेश राठोर के साथ मिलकर अपने गुर्गों के माध्यम से झाबुआ के देवझिरी में 100 पेटी अवैध शराब माउंट बियर की सप्लाई कर, एक सुनसान खेत में खाली करवाई थी। सूत्र के अनुसार रायपुरिया से बोलासा फाटक होते हुए तारखेड़ी, दुधी, साड़-सदावा से झिरी होते हुए झाबुआ-इंदौर मुख्य मार्ग छापरी से देवझिरी में आकर रायपुरिया ठेकेदार शराब माफिया तुकाराम चौहान व निलेश राठोर ने अवैध शराब सप्लाई कर खेत में खाली की व अन्य वाहनों से अलग-अलग जगह शराब सप्लाई की जा रही थी। तुकाराम व निलेश की उक्त कारस्तानी शराब माफिया अलकेश बाकलिया को लगने पर उसके क्षेत्र में शराब बाहरी क्षेत्र से आकर सप्लाई हो रही है कि बात रास नहीं आई और अपने झाबुआ एरिया मैनेजर शंकर को कहकर तीन, चार पहिया वाहन मय लठ व हथियार लेकर गुर्गे देवझिरी पहुंचे। जब तक तुकाराम व निलेश के गुर्गो ने 50 पेटी शराब इधर-उधर कर चुके थे, वहीं बची 50 पेटी अवैध शराब को माफिया अलकेश बाकलिया का गुर्गा शंकर अपने साथियों के साथ अपनी ही गाड़ी में अवैध शराब भरकर थाने पहुंचा। साथ ही वहां एक खाली खड़ी ओमनी व एक अन्य नाबालिग व्यक्ति को ठेकेदार के गुर्गे पकड़ कर थाने लाए और अपनी गाड़ियों से शराब उतारकर नाबालिग व्यक्ति एवं ओमनी कार मालिक के नाम से प्रकरण पंजीबद्ध झाबुआ पुलिस से करवाया।

अलकेश बाकलिया डरा इसलिए तुकाराम व निलेश के नाम से नहीं हुआ मामला दर्ज

वर्तमान में जिले में रायपुरिया ग्रुप छोड़कर शराब ठेकों की आड़ में शराब का अवैध कारोबार करने वाला अलकेश बाकलिया, तुकाराम व निलेश की धमकियों के साथ डर गया कि, बात हमारे सूत्र बता रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि, चोंटीधारी तुकाराम व निलेश राठोर ने अलकेश बाकलिया को सीधे शब्दों में कह दिया कि, तू भी बाहरी क्षेत्रों में अवैध शराब बड़े रूप से सप्लाई करता है, अगर हमारे नाम से प्रकरण दर्ज हुआ तो फिर तेरे एवं तेरे गुर्गो के नाम से भी आगे प्रकरण बनने से कोई नहीं बचा पाएगा। आपसी माफियाओं की धमकी के साथ आपसी सुलह हो गई, जिसके कारण अलकेश बाकलिया ने अपने गुर्गे मुकेश नायक को थाने भिजवाकर थानेदार से उक्त प्रकरण में अन्य कोई जांच न कर तुकाराम व नीलेश के नाम प्रकरण में दर्ज नहीं करने की बात कहने के बाद, झाबुआ पुलिस ने एक ठेकेदार की शराब दूसरे ठेकेदार ने पकड़ कर पुलिस को दी शराब मामले में प्रकरण दर्ज नहीं किया।

''बेटो से बढ़कर होती हैं बेटियां'' का समाज में संदेश देने वाले एडवोकेट श्री पटेल पंचतत्व में विलिन

बेटी पायल व ईशानी ने दी पिता को मुखाग्नि

माही की गूंज, झाबुआ/बामनिया।

बामनिया निवासी नथमल, पवन व पंकज भटेवरा के जियाजी व बांसवाड़ा निवासी लक्ष्मीचंद पटेल के भतीजे, भारतीय जीवन बीमा के अधिकारी मोतीलाल पटेल के छोटे भाई व अरविंद, गोल्डी, सोनू के काका जी एडवोकेट राजेंद्र पटेल (56) निवासी पृथ्वीगंज बांसवाड़ा (राज.) का निधन लंबी बीमारी के चलते मंगलवार अलसुबह करीब 3 बजे हो गया।

कहते हैं, ''बेटों से बढ़कर बेटियां होती है'' और असल मायने में होता भी यही है कि, बेटियां किसी भी विकट परिस्थितियों में भी अपने माता-पिता की फिक्र कर उनकी देखभाल करती है। हम यह नहीं कहते कि, बेटे संस्कारी नहीं होते हैं, वह भी अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं, परंतु कुछ कलयुगी बेटे ऐसे निकल जाते हैं जो अपने माता-पिता के प्रति अपने कर्तव्य से विमुख होकर उन्हें वृद्धावस्था में जब उन्हें सेवा की आवश्यकता होती है उस समय भी उन्हे मरने जेसी अवस्था में छोड़ देते है। उस समय में भी बेटियां अपने कर्तव्य का पालन कर माता-पिता की सेवा व देखभाल करने में पीछे नहीं रहती है। इसलिए ही शायद कहा जाता है कि, ''बेटियां बेटों से बढ़कर होती है'' और इसी स्लोगन के साथ एडवोकेट राजेंद्र पटेल व पत्नी पुष्पा देवी ने दो बेटियों को जन्म दिया। दो बेटियों के जन्म के बाद कभी भी पुत्र की चाह नहीं रखी और ''बेटे से बढ़कर होती है बेटियां'' के स्लोगन को आत्मसात कर बेटियों को ही बेटे मानकर अपने संस्कार दिए और दोनों बेटियों को अच्छा पढ़ाया-लिखाया। बड़ी बेटी पायल की छः माह पूर्व शादी होकर प्राइवेट स्कूल में शिक्षिका है, छोटी बेटी ईशानी बेंगलुरु में सॉफ्टवेयर इंजीनियर होकर अच्छे पद पर कार्यरत है।

एडवोकेट राजेन्द्र पटेल हुए पंचतत्व में विलिन।

एडवोकेट राजेंद्र पटेल पिछले करीब 12 वर्षों से कैंसर की बीमारी से ग्रसित थे, परंतु बीमारी को अपनी बेटियों व पत्नी के सम्बल के साथ मात देते रहे। पटेल कोरोना से भी ग्रसित हो चुके थे और कोरोना को भी मात देकर अपनी जंग जीत ली थी। परंतु पिछले दो माह में बीमारी ने उन्हें ऐसा जकड़ा की अपनी तकलीफों के साथ वे जान चुके थे कि, अब मैं नहीं जी पाऊंगा। नतीजन पटेल ने बेटियों व पत्नी के साथ परिवार व ससुराल पक्ष से भी बीमारी के दौरान अपील करते रहे कि, मुझे इच्छामृत्यु दे दो, लेकिन परिवार ने इस बार भी बीमारी से जंग जीतने का ढ़ांढ़स बधाते रहे। आखिरकार मंगलवार अलसुबह करीब 3 बजे बीमारी के आगे श्री पटेल ने हार कर अंतिम सांस ली। जिनका मंगलवार को 11 बजे बांसवाड़ा के कागदी पिकअप मोक्ष धाम पर अंतिम संस्कार किया गया।

बेटियों ने दी मुखाग्नि।

श्री पटेल को मुख्य मुखाग्नि बेटी पायल व ईशानी ने दी, साथ ही उनके भाई मोतीलाल पटेल, भतीजे अरविंद, गोल्डी व सोनू के साथ काका लक्ष्मीचंद पटेल ने मुखाग्नि दी। वहीं अंतिम संस्कार में शामिल सभी ने श्री पटेल को पंच लकड़ी देकर श्रद्धांजलि दी और समाज में ''बेटों से बढ़कर बेटियां होती है'' का संदेश देने वाले एडवोकेट श्री राजेन्द्र पटेल पंचतत्व में विलीन हो गए।

दबंग भाजपा नेता रमेश गुर्जर सहित सचिव पुत्र ने साथियों के साथ मिल किया जान लेवा हमला

मामला: जमीन को लेकर हुआ विवाद, जेसीबी से की तोड़-फोड़, 11 पर मामला दर्ज

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

एक ओर मुख्यमंत्री माफियाओं और अवैध धंधेबाज़ों को जमीन में गाड़ने की बात कर रहे हैं वही दूसरी ओर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के राज में पूरे प्रदेश भर से भाजपा नेताओं की दबंगई की खबरे आ रही है। जमीन विवाद में लोगो की जान चले जाने के बाद भी सरकार और प्रशासन हरकत में नही आए, जिससे दंबग लोगो की हरकतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। विगत दिनों विकास खण्ड पेटलावद में जमीन मामले में एक व्यक्ति की हत्या हो गई थी। ऐसा पहली बार नही था कि, जमीन विवाद को लेकर हत्या हुई, लेकिन प्रशासन के पास जमा जमीन विवाद के मामले वर्षो से अलमारियों में धूल खा रहे हैं जो कही न कही बड़े विवाद और लोगो को मौत का कारण बन रहे हैं।

सरकारी जमीन के कब्जे को लेकर भाजपा नेता ने किया हमला

पेटलावद विकास खण्ड की ग्राम पंचायत मठमठ में सोमवार को एक बार फिर जमीन विवाद का बड़ा मामला सामने आया। सत्ता के मद में चूर भाजपा नेता रमेश गुर्जर, उनका सचिव पुत्र ईश्वर गुर्जर सहित परिवार के अन्य लोगो ने मिलकर सरकारी जमीन हतियाने के उद्देश्य से गांव के ही एक परिवार पर जानलेवा हमला कर घर और खेत पर तोड़फोड़ कर दी। हमले में एक ही परिवार के 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद प्रशासन एक्शन मोड़ पर दिखाई दिया और दलबल के साथ मौके पर पहुंचकर जमीन का सीमांकन किया, जिसमें जमीन पीड़ित परिवार की निकली और सरकारी निकली। जिस पर से कब्जा हटाने का काम प्रशासन का था जिसकी शिकायत करके भी निराकरण किया जा सकता था, लेकिन दबंगो ने दूसरा तरीका अपनाया, जसमे लोगो की जान भी जा सकती थी।

ये है घटनाक्रम

पीड़ित अरुण पिता कालूराम पोरवाल (45) निवासी मठमठ ने थाना पेटलावद में रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए बताया कि, सोमवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे मैं अपने घर पर था मेरा खेत मेरे घर के पास में ही है, मेरे खेत में नाले से पानी आता है इस कारण में नाले की पाल पर पत्थर जमा दियए थे इसी बात को लेकर हमारे गाव के रमेश पिता नंदाजी गुर्जर, शंकरलाल पिता रमेश गुर्जर, ईश्वरलाल पिता रमेश गुर्जर (सचिव), ऋषी पिता ईश्वरलाल गुर्जर, योगेश पिता शकरनाल गुर्जर, शान्तीलाल पिता सोहनालाल चारी, विष्णू पिता नटू खारी, पवन पिता शभूलाल गुर्जर, कपिल पिता दशरय गुर्जर, विक्रम पिता विष्णू गुर्जर, प्रकाश पिता भमर गुर्जर, डितेद पिता भमर गुर्जर, अशोक पिता राभू गुर्जर सभी एक मत व एक राय बनाकर जेसीबी लेकर आए और मेरे द्वारा जमाए गए पत्थर गिराने लगे व बोले कि, घर से बाहर निकालो तुमको जमीन देते है कहकर सभी ने हमको माँ-बहन की नंगी-नंगी गालियां दी। हमने घर का दरवाजा बंद कर लिया तो सभी ने मिलकर मेरे घर का दरवाजा तोड दिया, तो हम लोग घर के पिछे के दरवाजे से खेतों की ओर भागे तो ईश्वरलाल गुर्जर ने मेरे बडे भाई तेजालाल को लकड़ी मारी जो सिर में लगी, उसके गिरने के बाद मैं गया तो मेरे साथ में शंकरलाल गूर्जर ने लकड़ी से मारपीट की, जिससे बांए हाथ की कोहनी के पास, दाहिनी हाथ के निचे, पिठ पर चोट लगी। मुझे बचाने मेरी औरत संगीता आई तो उसके साथ शंकरलाल गुर्जर, ऋषी, योगेश, प्रकामा ने मारपीट की जिससे मेरी औरत संगीता को बांए पैर पर चोट आई। इतने में शांतीलाल, विष्णु, देवेंद्र, प्रकाश, पवन, अशोक एक साथ मेरी पत्नी पर टूट पड़े व चोंटी पकडकर जमीन पर गिराकर घसीटा। फिर बिच बचाव करने मेरा भतिजा सचिन पिता तेजीलाल आया तो उसके साथ में भी देवेंद, जितेद, अशोक ने हाथ व लात से मारपीट की जिसमें सचिन को बांए कान पर, छाती पर व दाहिने पैर में चौंट लगी। मेरी लड़की दीपीका व मेरे भाई की लडकी वर्षा बीच बचाव करने आई तो इनको भी थप्पड़, मुके से मारपीट की जिससे दोनों को शरीर में चोट लगी।

घटना राधेश्याम पिता काब्बाराम पोरवाल, महेश पिता राधेश्याम पोरवाल, भागीरथ पिता धना पडीयार निवासीगण मठमठ, मानसिह पिता अमरा गरवाल निवासी तिखी ने देखी है। जाते-जाते सभी लोग बोले की आज के बाद तुने नाले की पाल में पत्थर जमाए तो तुमको व तेरे परिवार को किसी दिन जान से खत्म कर देंगे, तेरा मकान जेसीबी से गिरा देंगे की धमकी देकर गए।

विवाद के बाद मौके का वीडियो भी सामने आया है जिसमे दबंग नेता पीड़ित पक्ष पर हमला करते देखे जा सकते हैं और मोके पर जेसीबी का उपयोग कर तोड़फोड़ करते देखे गए। हमले में घायल पीड़ित परिवार के 5 लोगो को पेटलावद सामुदायिक केंद्र में भर्ती करवाया गया है एक कि स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

विभिन्न धाराओं में भाजपा नेता सहित 11 लोगों पर मामला दर्ज

मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने हमला करने वाले भाजपा नेता रमेश गुर्जर ओर उनके सचिव पुत्र ईश्वर सिंह गुजर सहित कुल 11 लोगो पर अपराध पंजीबद्ध किया है। पुलिस ने आरोपियों पर आईपीसी की धारा 147, 149, 294, 323, 506 की कायमी कर ली है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने किसी आरोपी को गिरफ्तार नही किया है, इनको पकड़ने पहुंची पुलिस के हत्थे एक भी आरोपी नही चढ़ा।

दंबग रमेश गुर्जर और उसका परिवार मारपीट कर जेसीबी से मनमाने ढंग से कब्जा करने की कोशिश करते हुए।

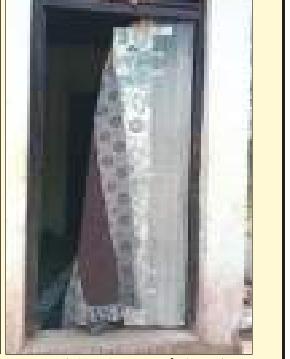
हमलावरो ने घर मे घुसकर की तोड़-फोड़ और मारपीट।

बढ़ सकती है धारा

जिस ठंग से सुनियोजित तरीके से पूरे हमले को अंजाम दिया गया है उससे साफहै कि, हमलावर पीड़ित परिवार की जनहानि करना चाहते थे लेकिन विवाद के बाद मौके पर जमा भीड़ के बीच बचाव के कारण वो अपनी योजना को अंजाम नही दे सके। लेकिन एक व्यक्ति के सर में गंभीर चोट आई है जिसमे उसकी जान भी जा सकती थी। वही दंबग परिवार इस कदर विवाद पर उतारू था कि, विवाद के बाद प्रशासन द्वारा किए गए सीमांकन के लगाए गए पत्थर भी जेसीबी से हटा दिए। जानकारी मिलने पर प्रशासन ने फिलहाल जेसीबी को मौके पर ही कब्जे में ले लिया और चार कोटवार की ड्यूटी लगा दी है। अब प्रशासन आरोपियों पर शासकीय कार्य मे बाधा और हत्या के प्रयास तक का मामला दर्ज कर धारा बढ़ाने की बात कर रहा है लेकिन राजनीति रसूख वाले सत्तापक्षीय नेता पर क्या प्रशासन कार्रवाई कर पाएगा इस पर अभी शंशय है।

भाजपा वर्सेस भाजपा तीन दिन से चल रही जोड़-तोड़

पूरे मामले को देखा जाए तो अब भाजपा के दो धड़े आमने-सामने हो गए हैं, जहां दबंग हमलावर रमेश गुर्जर, पूर्व विधायक निर्मला भूरिया का करीबी है और भाजपा की और से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ चुका है तो दूसरी और जिस परिवार पर प्राण धातक हमला हुआ है वो वर्तमान ग्रामीण मण्डल के उपाध्यक्ष बिरज पोरवल का परिवार है जो खुद भी मठमठ में रहे हैं। विवाद के बाद से दोनों पक्ष अपनी पार्टी में जोर आजमाइश कर रहे हैं, राजनीतिक ताकत दिखाने की दोनों की लड़ाई लम्बे समय से चली आ रही है। निर्मला भूरिया का नाम ऐसे मामले में उनके राजनीतिक विरोधी घसीट सकते हैं जिससे उनकी छवी खराब हो सकती है। अगर निर्मला भूरिया ऐसे मामलो में आरोपियों के साथ खड़ी दिखी तो तय है कि, उनका ढलान पर आया राजनीतिक जीवन समाप्ति की ओर बढ़ सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422